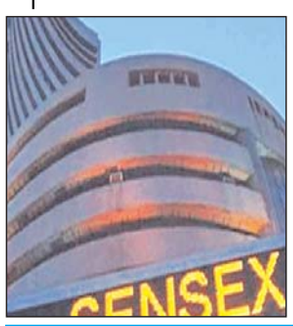

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

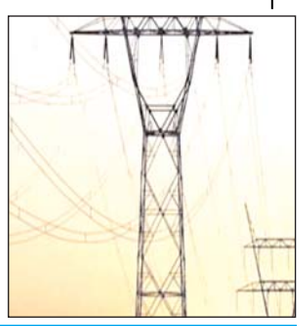

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 | सेंसेक्स ने 79,855 और निफ्टी ने 24,236 का हाई .... | सम्पादकीय | महिला की सरे बाजार बुरी | बिजली की खपत में जबरदस्त उछाल | 5

वर्ष 11 अंक 41 | E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, बुधवार 03 जुलाई 2024 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

सत्संग के दौरान भगदड़ मचने से 120 श्रद्धालुओं की मौत, 150 से अधिक घायल

आर.एन.एस.

हाथरस। यूपी के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 120 लोगों की मौत हो गई। 150 से अधिक घायल हैं। कई लोगों की हालत गंभीर है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसा हाथरस जिले से 47 किमी दूर फुलरई गांव में हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संसद से इस घटना पर दुर्ख जताया है।

हादसे के बाद हालात भयावह है। अस्पताल के बाहर शव जमीन पर बिखरे पड़े हैं। एक न्यूज पोर्टल द्वारा दी जानकारी के अनुसार अस्पताल के बाहर 95 लाशें बिखरी पड़ी हैं। वहीं, एटा के सीएमओ उमेश त्रिपाठी ने बताया- हाथरस से अब तक 27 शव एटा लाए गए। इनमें 25 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। सत्संग में 20 हजार से अधिक लोगों की भीड़ थी।

हादसे के बाद जैसे-तैसे घायलों और मृतकों को बस-टैंपो में लादकर अस्पताल ले जाया गया। सीएम योगी ने मुख्य सचिव मनोज सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया। घटना की जांच के लिए एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर की टीम बनाई है।

सत्संग खत्म हो गया था। एक साथ लोग निकल रहे थे। हॉल छोटा था। गेट भी पतला था। पहले निकलने के चक्कर में भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। इस वजह से 150 से अधिक लोग घायल हो गए।

भोले बाबा का असली नाम नारायण साकार हरि है। वह एटा जिले की पटयाली तहसील के गांव बहादुर नगरी के रहने वाले हैं। उन्होंने 26 साल पहले सरकारी नौकरी छोड़कर प्रवचन शुरू किया था। उन्होंने अपने प्रवचन में बताया था कि वे गुप्तचर ब्यूरो में नौकरी करते थे। साकार विश्व हरि भोले बाबा के अनुयायी पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तराखंड में ज्यादा हैं। हादसे के बाद एक साथ इतने घायल पहुंचे कि सरकारी अस्पताल फुल हो गए। सीएचसी के बाहर कुछ लोग तड़पते हुए नजर आए।

हाथरस प्रशासन ने प्राइवेट अस्पतालों को अलर्ट कर दिया है। सभी से बेड रिजर्व रखने को कहा है। घायलों को अब प्राइवेट अस्पताल ले जाया जा रहा है। मौके पर हालात बेकाबू है। हर कोई भीड़ और लाशों के बीच अपनों को तलाश रहा है।

प्रत्यक्षदर्शी ज्योति ने बताया- हम लोग शांति सत्संग में गए थे। सत्संग खत्म होने के बाद हम लोग निकलने लगे। भीड़ बहुत ज्यादा थी, तभी अचानक भगदड़ मच गई। जिससे कई लोग एक दूसरे पर गिर गए। कई लोगों की जान चली गई। मेरे साथ आए कई लोगों की जान चली गई है। मैं भी दब गई थी। लगा था कि मौत हो जाएगी, लेकिन किसी तरह से बच गई।

सत्संग पर आयोजन समिति से जुड़े महेश चंद्र ने बातचीत में कहा कि हमने जिला प्रशासन से अनुमति लेकर कार्यक्रम कराया था. कार्यक्रम में एक लाख से अधिक श्रद्धालु आयोजन मौजूद थे. जब कार्यकम खत्म हुआ तब भगदड़ मच गई. ये हादसा प्रशासन की कमजोरी की वजह से हुआ है. कार्यक्रम खत्म होने के बाद कीचड़ में लोग एक के ऊपर एक गिरते रहे, कोई संभालने वाला नहीं था.

सीएम योगी ने घटना पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही घायलों के उचित उपचार के भी निर्देश दिए हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा- हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ की वजह से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौत और कई के घायल होने का समाचार हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। राज्य सरकार से मेरी अपील है कि पीड़ितों को उचित मुआवजा देने और घायलों के उपचार की व्यवस्था की जाए। सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा- घटना अत्यंत दुखद और स्तब्धकारी है। हर संभव चिकित्सा प्रदान करते हुए प्रशासन राहत कार्य जल्द पूर्ण करे और पीड़ित परिवारों को मुआवजा दे। ईश्वर मृतकों के परिजनों को शक्ति प्रदान करें।

विशेष संपादकीय

120 मौतों का जिम्मेदार कौन?

चन्द्रप्रकाश शिवहरे
प्रधान संपादक

उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। हाथरस के सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के गांव फुलरई में ''नारायण साकार हरि'' द्वारा आयोजित सत्संग में भगदड़ मच गई। इस हादसे में 120 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। साथ ही इस हादसे में 150 से अधिक श्रद्धालु घायल भी हो गए हैं। इसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इस घटना में जिन 120 लोगों की मौत हुई है उसका जिम्मेदार कौन है? यह हम सभी के समक्ष ''यक्ष'' प्रश्न है। इसके लिए साकार हरि जिम्मेदार हैं या हाथरस का प्रशासन? इन हादसों को रोकने की दिशा में भविष्य में क्या कदम उठाये जाने चाहिए यह हम सभी को तय करना होगा। धार्मिक आयोजनों में भगदड़ मचने से लोगों के मरने की घटना प्रथम बार नहीं हुई है। पूर्व में भी इस तरह की अनेक घटनायें घटित हो चुकी हैं। सीहोर में पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा आयोजित रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम में भगदड़ मचने से भी मौतें हुईं थीं। लेकिन अंततः जैसे-जैसे समय बीतता है मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। यहां प्रश्न उठता है कि इतने बड़े कार्यक्रम के लिए जब वहाँ के प्रशासन ने अनुमति दी तो उक्त बाबा से यह पूछा था कि कितनी भीड़ आयेगी? सुरक्षा के क्या इंतजाम आयोजकों ने किए हैं? प्राथमिक उपचार की क्या व्यवस्था की गई है? अग्निशमन यंत्रों की क्या व्यवस्था है? गर्मी के सीजन को देखते हुए हवा के क्या इंतजाम हैं? पेयजल की व्यवस्था है अथवा नहीं? बिंदु बहुत हैं, लेकिन इन चीजों पर शायद गौर नहीं किया गया। उक्त बाबा ने भी सोचा होगा कि कार्यक्रम कितना भी बड़ा हो जाए कोई घटना नहीं होगी। लेकिन इन सबके विपरीत इतना बड़ा हादसा हो गया। निश्चित रूप से शासन-प्रशासन को इस घटना के लिए दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करनी होगी। इसके साथ ही इस तरह के कार्यक्रमों में जाने वाले भक्तों को भी इस दिशा में विचार करना होगा कि हम जिस कार्यक्रम में जा रहे हैं वहां की व्यवस्थायें कैसी हैं? सुरक्षा के इंतजाम कैसे हैं? वहां के प्रशासन को छोटे से गांव में इतने बड़े कार्यक्रम को आयोजित करने की अनुमति ही नहीं देनी थी, क्योंकि वहां पर उपचार के समुचित प्रबंध नहीं थे या मैं कहूँ कि वहाँ उपचार के प्रबंध ही नहीं थे। घायलों को इलाज के लिए दूर-दूर भेजा जा रहा है। इससे सिद्ध होता है कि कार्यक्रम स्थल पर इंतजाम के नाम पर कुछ भी नहीं था। यदि शासन ने भविष्य में ठोस कदम नहीं उठाये तो निर्दोष लोगों की जानें इसी तरह जाती रहेंगी। जाँच के नाम पर कागजी घोड़े दौड़ते रहेंगे। परिणाम कुछ नहीं निकलेगा। ईश्वर मृतात्माओं को शांति दे तथा घायलों को अतिशीघ्र ठीक करें तथा भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसी आशा के साथ...

हिंदू समाज को सोचना होगा, ये अपमान संयोग है या प्रयोग : पीएम नरेन्द्र मोदी

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोले प्रधानमंत्री

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को भी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हुई। इस दौरान संसद के निचले सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान अपनी बात रखी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अपने भाषण के दौरान मोदी ने कहा कि यह लगातार तीसरी बार है जब कांग्रेस पार्टी 100 का आंकड़ा नहीं पार कर सकी है। उन्होंने राहुल गांधी के हिंदु वाले बयान को लेकर भी पलटवार किया और सवाल पूछा कि इस देश के हिंदुओं के साथ ये है आपका व्यव्हार?

पीएम मोदी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों का झूठ हमारे देश के नागरिकों की विवेकबुद्धि पर आशंका व्यक्त करता है। इनका झूठ देश के सामान्य विवेद बुद्धि पर एक तमाचा मारने की निर्लज हरकत है। ये हरकतें देश की महान परंपराओं पर तमाचा है। आदरणीय सभापति जी, सदन में शुरू हुई झूठ की परंपरा पर कठोर कार्रवाई करेंगे, ये देशवासियों की भी और इस सदन की भी अपेक्षा है। कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण पर भी हमेशा झूठ बोला है।

उन्होंने कहा कि आज मैं 140 करोड़ देशवासियों के सामने सच्चाई रखना चाहता हूं। आपातकाल का ये 50वां वर्ष है। इमरजेंसी सिर्फ और सिर्फ सत्ता के लोभ के खातिर, तानाशाही मानसिकता के कारण देश पर थोपा गया तानाशाही शासन था। कांग्रेस क्रूरता की सभी हदें पार कर

गई। उसने अपने ही देशवासियों पर क्रूरता का पंजा फैलाया था। और देश के ताने-बाने के छिन्न-विछिन्न करने का पाप किया। सरकारों को गिराना, मीडिया को दबाना, हर कारनामे संविधान की भावना के खिलाफ, संविधान की धाराओं के खिलाफ, संविधान के एक-एक शब्द के खिलाफ थी।पीएम मोदी ने कहा कि ये वो लोग हैं जिन्होंने प्रारंभ से देश के दलितों के साथ, पिछड़ों के साथ घोर अन्याय किया है। इसी कारण से बाबा साहब अंबेडकर ने कांग्रेस की दलित विरोधी, पिछड़ा विरोधी मानसिकता के कारण नेहरू जी की कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। उन्होंने पर्दाफाश किया था कि कैसे नेहरू जी ने दलितों-पिछड़ों के साथ अन्याय किया और बाबा साहब अंबेडकर ने कैबिनेट से इस्तीफा देते हुए जो कारण बताए थे, वो इनके चरित्र को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि 131 साल पहले स्वामी विवेकानन्द जी ने शिकागो में कहा था कि मुझे गर्व है कि मैं उस धर्म से आता हूं जिसने पूरी दुनिया को सहिष्णुता और वैश्विक स्वीकृति सिखाई है। 131 साल पहले हिंदू धर्म के लिए स्वामी विवेकानन्द जी ने अमेरिका के शिकागो में दुनिया के दिग्गजों के सामने कहा था। हिंदू सहनशील है, हिंदू अल्पत्व को लेकर जीने वाला समूह है। इसी कारण भारत का लोकतंत्र, भारत की इनती विविधताएं आज उसी के कारण पनपी है और पनप रही है। गंभीर बात है कि आज हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की साजिश हो रही है। गंभीर ष्ड्यंत्र हो रहा है। ये कहा गया हिंदू हिंसक होते हैं, ये हैं आपके संस्कार? ये है आपका चरित्र? ये है आपकी सोच? ये है आपकी नफरत? इस देश के हिंदुओं के साथ ये कारनामे? ये देश शताबदियों तक इसे भूलने वाला नहीं है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि कुछ दिन पहले हिंदुओं में जो शक्ति की कल्पना है, उसके विनाश की घोषणा की गई थी। आप किस शक्ति के विनाश की बात करते हैं? ये देश सदियों से शक्ति का पात्र है। ये मेरा बंगाल मां दुर्गा की पूजा करता है। आप उस शक्ति के विनाश की बात करते हो? इन्होंने हिंदू आतंकवाद शब्द गढ़ने की साजिश की थी। इनके साथी हिंदू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया ऐसे शब्दों से करें और ये लोग तालियां बजाएं। ये देश कभी माफ नहीं करेगा। एक सोची समझी रणनीति के तहत इनका पूरा इकोसिस्टम हिंदू परंपरा, हिंदू समाज, इस देश की संस्कृति, इस देश की विरासत को नीचा दिखा, उसे गाली देना, उसे अपमानित करना, हिंदुओं को मजाक बनाना, इसे फैशन बना दिया है और उसको संरक्षण देने का काम अपने राजनीति स्वार्थ के लिए ऐसे तत्व कर रहे हैं।

योजना के कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में बैठक में सिंहस्थ - 2028 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना के अंतर्गत क्षिप्रा नदी को प्रदूषणमुक्त बनाने की योजना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कान्ह नदी के व्यपवर्तन, कान्ह नदी पर 11 बैराजों के निर्माण, सिंहस्थ के लिए क्षिप्रा नदी में निरंतर जल प्रवाह योजना और क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित 18 बैराजों के निर्माण और क्षिप्रा नदी पर स्नान आदि के बेहतर प्रबंध के लिए घाटों के निर्माण तथा विकास के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि निर्माण कार्य चलने से स्थानीय निवासियों को कोई असुविधा न हो। बैठक में पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से कार्यों की प्रगति का विवरण दिया गया। इसके अंतर्गत क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित संरचनाओं, प्रस्तावित बैराजों के निर्माण तथा आवश्यक घाटों के निर्माण से संबंधित जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों के निर्माण में ऐसे पत्थर एवं सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए जो दीर्घकाल तक उपयोगी हों। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

सम्पूर्ण समर्पण ही प्रभु प्राप्ति का मूल मंत्र है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- समष्टि के समस्त प्राणियों का मांगल्य, अधिकारों का रक्षण और विश्व शान्ति स्थापना ही सनातन संस्कृति की मूल भावनाएँ हैं। सभी के सुख और निरामय निमित्त प्रार्थनाएँ ही हमारा वैशिष्ट्य है। हमारे पास जो कुछ भी है उसमें सभी के हिस्से हैं, ऐसा औदार्य हमारी संस्कृति का मूल स्वर है, जिसमें अर्पण, तर्पण व समर्पण जैसी उच्चस्तरीय दिव्यताएँ और श्रेष्ठताएँ समाहित हैं। 'योगिनी एकादशी' की हार्दिक शुभकामनाएँ ..! भारतीय संस्कृति को यदि हम केवल तीन शब्दों में कहना या बताना चाहें तो इसका तात्पर्य अर्पण, तर्पण और समर्पण है और इन तीनों में ही त्याग की भावना है। उपस्थित शिष्य श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए स्वामी जी ने कहा कि यह त्याग समाज के लिए कर्तव्यरूप है, उपकाररूप नहीं। हम किसी पर उपकार नही करते, बल्कि यह हमारा कर्तव्यरूप है। हमारे द्वारा किया गया यह त्याग ही 'अर्पण' कहलाता है। पितरों के लिए, माता-पिता के लिए किया गया त्याग 'तर्पण' कहलाता है। भगवान के लिए किया गया त्याग 'समर्पण' कहलाता है। हमारा कर्तव्य है कि जिस समाज में हम रह रहे हैं, उस समाज के लिए कुछ करें। कर्तव्य वह कर्म है जिसको करने से पुण्य नहीं मिलता। लेकिन ना करने से पाप निश्चित रूप से लगता है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - सम्पूर्ण समर्पण ही है - प्रभु प्राप्ति का मूल मंत्र। समर्पण से मिलती है - पूर्णता। समर्पण ठीक वैसे ही है, जैसे - एक कन्या विवाह के बाद अपने पति के प्रति समर्पित हो जाती है। माता-पिता का मोह छोड़कर वह अपना सब कुछ पति को ही मानती है। पति पर उसका पूर्ण विश्वास होता है।मन-वचन कर्म से इष्ट के प्रति समर्पण अभयता और आनन्द प्रदाता है। अर्पण, तर्पण व समर्पण हमारी परम्परा की पहचान है। पश्चिमी देशों के लोग इसे नहीं समझ सकते। संशय मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। कथा से विचारों का संशय दूर होता है; बशर्ते सत्संग में बैठने वाला व्यक्ति उसकी गंभीरता को समझे। मनुष्य के पास अनन्त साधन हैं। उतना ही असंतोष भी है। मन में रुचियों के प्रवेश से घर अखाड़ा बन जाता है। पहचान और वर्चस्व आज लोगों के लिए संकट बन गया है। धर्म की व्यवहारिकता का परिचय अहं भाव के शून्य-समर्पण में ही है। यह समर्पण समाज के प्रति प्रारम्भ होता है और उसका पर्यवसान परम तत्व पर होता है।

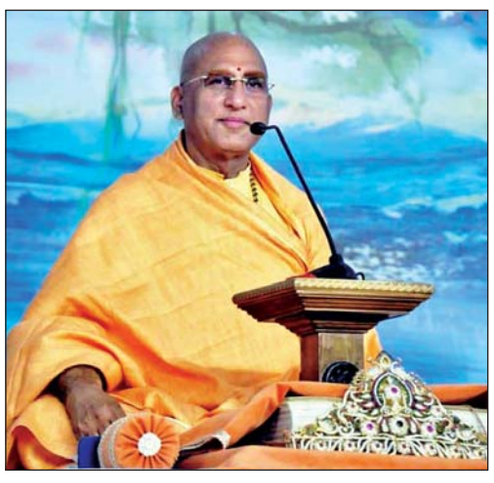

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि- अर्जुन एवं श्रीकृष्ण गाढ़ मित्रों की भाँति साथ-साथ खेलते-कूदते बड़े हुए। उस समय भगवान गीतोपदेश नहीं देते थे। परन्तु, कुरुक्षेत्र के युद्ध के क्षेत्र में जब अर्जुन पूर्णतः उद्विग्न हो गये और उनके भीतर का शिष्य जाग उठा, तब अर्जुन ने अपने सारथी-सखा श्रीकृष्ण को गुरु रूप में स्वीकार किया। अर्जुन के भीतर शिष्यत्व के जागने पर ही भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें गीता का उपदेश दिया। इसमें हम सबके लिए एक शिक्षा छिपी है। हमें अपने भीतर एक शिष्य का भाव जागृत करना है। शिष्य-भाव से अभिप्राय है - पूर्ण समर्पण। वास्तव में, यदि हम यह कर सकें तो हम सहसा पायेंगे कि विश्व की प्रत्येक वस्तु हमारी गुरु हो गई है। प्रत्येक अनुभव हमें शिक्षा देने के लिए आता है। इसके विपरीत, इस भाव के अभाव में हम कुछ नहीं सीख पायेंगे, भले कुछ भी हो जाए। स्वामी जी ने कहा कि अध्यात्म में संवाद बहुत उपयोगी है। जहाँ संवाद होता है, वहाँ तत्काल प्रश्नों के उत्तर मिलते चले जाते हैं। संवाद पारिवारिक जीवन, राष्ट्रीय जीवन और सामाजिक जीवन में भी बहुत उपयोगी है। धर्म एक बन्धन है। एक ओर हमारी संस्कृति यह कहती है कि बन्धन से मुक्ति की ओर चलो और दूसरी ओर विद्वतगण कहते हैं कि धर्म का बन्धन स्वीकार करें। धर्म का बन्धन स्वीकार करने से मुक्ति का द्वार खुलता है, इसलिए वह बन्धन भी प्रशंसनीय है, जिसमें बँध कर जीव जन्मों-जन्म के बाँधनों से मुक्त हो जाता है!

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - समर्पण तनाव-मुक्ति का एकमात्र साधन है। सब कुछ परमात्मा को समर्पित कर देने से हमारा बोझ कम हो जाता है। सच तो यही है कि होनी हमारे वश में नहीं है, यह अगली साँस तक हमारे वश के बाहर की बात है। इस ज्ञान के साथ हम अपने सभी कर्म कर, उन्हें ईश्वर को अर्पित कर दें; परन्तु, कर्तृत्व न लें। हमारा भाव यह रहे कि हम सब कर्म उसकी कृपा से कर रहे हैं। इसलिए कर्म को पूजा मान कर करें। यही समर्पण का भाव हमें विकसित करना होगा। परमात्मा हम सबके भीतर आत्मा के रूप में वास करता है। प्रतिक्षण वो हमें सरल, मधुर शब्दों द्वारा सत्मार्ग दिखलाता है। परन्तु, यह दुर्भाग्य ही है कि हम में सुनने का धैर्य ही नहीं, हम उसकी कही बात को सुनते ही नहीं। तभी तो हम बारम्बार गलतियों को दोहराते रहते हैं और फिर दुःख पाते हैं। हमें शिष्यत्व के एक आवश्यक गुण ÷आज्ञा पालन÷ को विकसित करना चाहिए। जब यह भाव तब जागृत हो जाता है, जब हम ध्यान से सुनते हैं, श्रद्धा तथा विनम्रतापूर्वक उसके शरणागत होते हैं तब ही वो गुरु बन कर हमारा मार्गदर्शन करने का दायित्व लेते हैं; जैसा कि अर्जुन के साथ हुआ। एक ही ईश्वर है जो पूरे ब्रह्माण्ड को नियंत्रित करता है। ब्रह्माण्ड में सभी कृति पूरी तरह से उनकी इच्छा से ही है। इसके अलावा, संसार के सारे जीव एक ही सर्वशक्तिमान के बच्चे हैं। हम कर्म के फल को भोगने के लिए फिर से जन्म लेते हैं। अतः परमात्मा के प्रति प्रेम का भाव होना चाहिए, यही एक सच्चे भक्त का, सच्चे दास का भाव है ! इसी भाव के मध्यम से हम आत्म-बोध की प्राप्ति कर सकते हैं; और इसी में जीवन की सार्थकता निहित है।

सरकार ने जीएसटी का डेटा जारी करना बंद किया

हर महीने की पहली तारीख को रिलीज होता था

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जीएसटी का डेटा रिलीज करना बंद कर दिया है। जीएसटी लागू होने के बाद सरकार हर महीने की पहली तारीख को इसका डेटा जारी करती थी। 74 महीने से ऐसा किया जा रहा था। केंद्र की ओर से मासिक डेटा जारी करना बंद करने का कोई कारण नहीं बताया गया है। सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में जीएसटी लागू

किया था। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को हटा दिया गया था। जीएसटी के 7 साल पूरे होने पर वित्त मंत्रालय ने पिछले सात वर्षों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों को लेकर पोस्ट किया।

जून महीने में सरकार ने जीएसटी से 1.74 लाख करोड़ जुटाए

सरकार ने जून महीने का जीएसटी कलेक्शन का डेटा जारी नहीं किया है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्टों में आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जून में जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के जून की तुलना में लगभग 8 प्रतिशत ज्यादा है।

पिछले साल जून में सरकार ने जीएसटी से 1.61 लाख करोड़ रुपए जीएसटी से जुटाए थे। वहीं अगर मई 2024 के कलेक्शन को देखें तो सरकार ने तब जीएसटी से 1.73 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। यानी, मई और जून का कलेक्शन लगभग बराबर रहा है।

राज्य सकल घरेलू उत्पाद 9.37 प्रतिशत बढ़ा, प्रतिव्यक्ति आय चार गुना बढ़ी

मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति हुई मजबूत

भोपाल। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए, मध्य प्रदेश का मौजूदा कीमतों पर राज्य सकल घरेलू उत्पाद 13,63,327 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह राज्य की अर्थव्यवस्था के विस्तार दर्शाता है। इसमें उत्पादन, वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य दोनों की वृद्धि को शामिल किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष के राज्य सकल घरेलू उत्पाद 12,46,471 करोड़ रुपये से लगभग 9.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आज यहां आर्थिक सर्वेक्षण में स्पष्ट रेखांकित हुआ कि वर्ष 2023-24 के लिए स्थिर कीमतों पर जीएसडीपी 6,60,363 करोड़ रुपये थी, जो पिछले वर्ष के 6,22,908 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह लगभग 6.01 प्रतिशत की वृद्धि है, जो दिखाती है कि मध्यप्रदेश सतत रूप से आर्थिक प्रगति कर रहा है।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा की आर्थिक सर्वेक्षण मध्यप्रदेश की उत्कृष्ट आर्थिक प्रगति को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आर्थिक समृद्धि के नये सोपान तय करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा अनुसार देश की पांच ट्रलियन की अर्थव्यवस्था बनाने भरपूर सहयोग देगा।

मध्यप्रदेश में अर्थव्यवस्था बढ़ने के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विकास एवं सभी वर्गों के उत्थान के लिए के लिए कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन हो रहा है। जनजातीय एवं अनुसूचित जाति समाज के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के कार्यक्रम, महिलाओं को अधिकार देने, उद्योग एवं व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल बनाकर उनका पालन आसान करने, कृषि में तकनीक का समावेश तथा खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से कृषकों की आय बढ़ाने के उपाय करने जैसे कई प्रयास सुशासन के अप्रतिम उदाहरण बनकर सामने आये हैं।

राज्य में साक्ष्य परक एवं डाटा आधारित नीति निर्माण एवं विश्लेषण को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में यह प्रयास स्पष्ट दिखता है। इस बार का आर्थिक सर्वेक्षण प्रदेश की निवेश, निर्यात, उद्योग, विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति को दर्शाता है।

प्रति व्यक्ति आय चार गुना बढ़ी

वर्ष 2011-12 से 2023-24 तक मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय राज्य के आर्थिक विकास और समृद्धि की एक अनूठी कहानी कहती है। इस दौरान, प्रति व्यक्ति एनएसडीपी में वृद्धि हुई है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था में हुई उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। मौजूदा कीमतों पर, प्रति व्यक्ति शुद्ध आय वर्ष 2011-12 में 38,497 रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 1,42,565 रुपये हो गयी है। इसमें लगभग चार गुना की वृद्धि हुई है।

मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद स्थिर (2011-12) कीमतों पर भी प्रति व्यक्ति शुद्ध आय ने उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई, जो वर्ष 2011-12 में 38,497 रुपये से बढ़कर 2023-24 में 66,441 रुपये हो गयी। यह वृद्धि मुद्रा स्फीति के प्रभावों से परे वास्तविक आर्थिक प्रगति दिखाती है।

प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 45.53प्रतिशत

प्रचलित भावों पर वर्ष 2023-24 में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 45.53प्रतिशत रहा जो इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 18.47प्रतिशत रहा है और तृतीयक क्षेत्र का प्रचलित भावों पर वर्ष 2023-24 में योगदान 36प्रतिशत रहा है। स्थिर मूल्यों पर यह वर्ष 2023-24 में 39.64प्रतिशत हुआ है, जो सेवा क्षेत्र में मजबूती को दर्शाता है। सेवा क्षेत्र में निरंतर निवेश और सुधार से तृतीयक क्षेत्र द्वारा राज्य की आर्थिक प्रगति में अधिक योगदान की संभावना है।

दलहन के उत्पादन में 42.62प्रतिशत की वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2023-24 में, मध्य प्रदेश में प्रमुख फसलों के उत्पादन में 0.20प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। दलहन के उत्पादन में 42.62प्रतिशत की वृद्धि हुई, और तिलहन में 7.32प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। सब्जियों का उत्पादन 235.41 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 242.62 लाख मीट्रिक टन हो गया, और फलों का उत्पादन 95.10 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 95.54 लाख मीट्रिक टन हो गया।

राजस्व आधिक्य

वर्ष 2023-24 में राजस्व आधिक्य राशि रुपए 413 करोड़ रहने का अनुमान है, इसे कोरोना काल की राजस्व घाटे की स्थिति से उबरने एवं मजबूत वित्तीय स्थिति का संकेत हैं। वर्ष 2019-20 से वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य करों का हिस्सा जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में 6.16प्रतिशत से बढ़कर 6.20 प्रतिशत हो गया है इस अवधि के दौरान राज्य के अपने कर संग्रह में 12.79प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ोतरी हुई।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के माध्यम से प्रदेश में अब तक 4.29 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को बैंकिंग की सुविधाओं से लाभान्वित किया है।

सरकार द्वारा बैंकिंग सेवाओं को सुलभ एवं कृषि, उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों हेतु ऋण विस्तार के प्रयास किए जा रहे, फलस्वरूप वर्ष 2005-06 से वर्ष 2023-24 तक कृषि ऋण में 16.4प्रतिशत सी.ए.जी.आर. की वृद्धि एवं एम.एस.एम.ई. क्षेत्र में 33.85प्रतिशत सी.ए.जी.आर. की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी में प्रदेश में 9.50 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं, जिसमें से 7.50 लाख आवास पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 3.56 करोड़ लाभार्थियों को डिजिटल आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला देश का पहला राज्य है !पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम चरण में 8.30 लाख शहरी पथ विक्रेताओं को 827.85 करोड़ रूपए का ऋण वितरित कर राज्य ने देश में पहला स्थान पर है।

वर्ष 2004 से 2024 के बीच में पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन में 270.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। देश के कुल सौर उर्जा उत्पादन में मध्य प्रदेश 8.2 प्रतिशत का योगदान देता है और इस दृष्टि से देश में चौथे स्थान पर है।

वन प्रबंधन की दिशा में राज्य सरकार का बड़ा फैसला

भारतीय वन सेवा अधिकारियों के कार्य निष्पादन एवं मूल्यांकन रिपोर्ट के लिये राज्य शासन द्वारा निर्देश जारी

भोपाल। राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों की गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) के लिये एक नई प्रणाली लागू की गई है। वन प्रबंधन में शामिल विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के बीच पारदर्शिता, दक्षता और सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से नई प्रणाली लागू की गई है। नई प्रणाली में डीएफओ की एसीआर पर कलेक्टर की टिप्पणियों को भी शामिल किया गया है। जिला स्तर पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, वन प्रबंधन, भूमि अधिग्रहण और माइनिंग उद्योगों में वन और प्रशासन दोनों विभागों की महती आवश्यकता होती है। वर्तमान व्यवस्था में भी वन प्रबंधन और इससे जुड़े मामलों में जिला कलेक्टर का रोल सर्वथा महत्वपूर्ण होता है और कलेक्टर के अभिमत पर ही प्रस्ताव पास किए जाते हैं। इसी तरह, वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों की एसीआर अब विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी।

राज्य शासन द्वारा जारी आदेश में भारतीय वन सेवा अधिकारियों के कार्य निष्पादन एवं मूल्यांकन रिपोर्ट (पीएआर) लिखने के लिये चैनल निर्धारित किया गया है। इसमें वन मण्डल अधिकारी/वन संरक्षक (क्षेत्रीय) स्तर के अधिकारियों की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी वन बल प्रमुख होंगे और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे। वन मण्डल अधिकारी (उत्पादन) की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक प्रधान मुख्य वन संरक्षक (उत्पादन) और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे। उप वन संरक्षक (न्याया प्रकरण) के गोपनीय चरित्रावली के समीक्षक अधिकारी वन बल प्रमुख और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे।

जारी आदेश में संचालक वन विद्यालय के गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशिक्षण) और स्वीकारकर्ता अधिकारी वन बल प्रमुख होंगे। मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय) की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी वन बल प्रमुख और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे। क्षेत्र संचालक टाईगर रिजर्व/संचालक सिंह परियोजना/वन विहार की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी वन बल प्रमुख और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे। मुख्य वन संरक्षक, कार्य आयोजना की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य आयोजना एवं वन भू-अभिलेख) और स्वीकारकर्ता अधिकारी वन बल प्रमुख होंगे। प्राचार्य रेंजर्स कॉलेज की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी प्रधान मुख्य वन संरक्षक (प्रशिक्षण) और स्वीकारकर्ता अधिकारी वन बल प्रमुख होंगे। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य आयोजना (आंचलिक) की गोपनीय चरित्रावली के समीक्षक अधिकारी वन बल प्रमुख और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे।

इसी प्रकार उप वन संरक्षक/वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी संबंधित प्रधान मुख्य वन संरक्षक और स्वीकारकर्ता अधिकारी वन बल प्रमुख होंगे। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक की गोपनीय चरित्रावली में समीक्षक अधिकारी वन बल प्रमुख और स्वीकारकर्ता अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव होंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (मुख्यालय) के समीक्षक अधिकारी मुख्य सचिव और स्वीकारकर्ता अधिकारी मुख्यमंत्री होंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख के समीक्षक अधिकारी वन मंत्री और स्वीकारकर्ता अधिकारी मुख्यमंत्री होंगे।

समीक्षा की यह अतिरिक्त परत व्यापक स्तर पर शासन और विभागीय दोनों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए अधिकारी के प्रदर्शन का अधिक व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित करेगी। आईएफएस अधिकारी की एसीआर लिखने की मुख्य जिम्मेदारी अभी भी आईएफएस अधिकारियों के पास ही रहेगी। कलेक्टर और विभागीय वरिष्ठों की टिप्पणियां जिला और राज्य स्तरीय लक्ष्यों के व्यापक संदर्भ में अधिकारी के प्रदर्शन के बारे में जानकारी प्रदान करेंगी। यह व्यवस्था वर्ष 2024-25 से लागू की गई है।

जायसवाल क्लब की छठवीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी का अधिवेशन सम्पन्न, विभिन्न बिंदुओं पर हुई विशेष चर्चा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। जायसवाल क्लब की छठवीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन उत्तराखंड के करणवाल आश्रम, भीमगोड़ा रोड हरिद्वार में आयोजित हुआ। जहाँ जायसवाल क्लब के सभी पदाधिकारी सम्पूर्ण भारत के सभी स्टेट जैसे तेलंगाना, शिवकाशी, गुजरात, महाराष्ट्र, गोरा गुजरात, अहमदाबाद, राजस्थान, गोरखपुर, बनारस काशी, दिल्ली, जौनपुर, शाहगंज, सोनभद्र, मिर्जापुर, लखनऊ, प्रयागराज, हैदराबाद, गोवा से हरिद्वार में उपस्थित होकर अपने समाज की जो भी कमियां हैं उन्हें कैसे दूर किया जाए और स्वजातीय बन्धुओं को कैसे जोड़ा जा सके व बच्चों की पढ़ाई-लिखाई जिनका परिवार कमजोर है आदि विचार विमर्श किये गये। स्वजातीय बन्धुओं के व्यवसाय को लेकर उनका कैसे सहयोग किया जाए इन विषयों पर लोगों ने अपनी बातों को रखा। राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से सभी पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में उपस्थित हमारे समाज के स्वामी संतोषानंद जी महाराज एवं अपने समाज के ही ओम प्रकाश साधु-मंहत कार्यक्रम में उपस्थिति रहे। इनके अलावा अधिवेश में अनेक बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। उक्त जानकारी निशान जायसवाल नागपुर जायसवाल क्लब ने दी।

51वीं शलाका जनजातीय चित्र प्रदर्शनी 3 जुलाई से

भोपाल। जनजातीय संग्रहालय, भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश के जनजातीय चित्रकारों को चित्र प्रदर्शनी और चित्रों की बिक्री के लिये उन्हें मंच उपलब्ध कराने के लिये एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। इसके लिये प्रतिमाह ÷लिखन्दरा प्रदर्शनी दीर्घा÷ में किसी एक जनजातीय चित्रकार की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन ÷शलाका÷ नाम से किया जाता है। इसी क्रम में बुधवार, 3 जुलाई से भील समुदाय की चित्रकार सुश्री शिवाबाई भाबोर के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। 51वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी 3 से 30 जुलाई, 2024 (मंगलवार से रविवार) तक संचालित रहेगी। भीली चित्रकार शिवाबाई भाबोर का जन्म मध्यप्रदेश के जनताजीय बहुल झाबुआ जिले के एक छोटे से गाँव झेर (तहसील-कल्याणपुर) में हुआ था। उन्होंने अपनी चित्रकारी से जनजातीय संस्कृति के विभिन्न पक्षों को उकेरने का सराहनीय प्रयास किया है।

मुंबई की कठिनाइयों ने मुझे 'दयाशंकर की डायरी' में अभिनय के लिए तैयार किया: आशीष विद्यार्थी

- अभिनेता चर्चा करते हैं कि कैसे ज़ी थिएटर का यह टेलीप्ले महानगर में आकांक्षा और वास्तविकता के बीच के टकराव को दर्शाता है

राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर विजेता आशीष विद्यार्थी ने मंच, टेलीविजन और विभिन्न भाषाओं के सिनेमा में विभिन्न भूमिकाएँ निभाई हैं। एक बहुमुखी व्यक्तित्व के साथ-साथ वे एक ट्रैवल और फूड ब्लॉगर एवं प्रेरक वक्ता भी हैं और हाल ही में उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी में भी प्रवेश किया है।

कला और संस्कृति से जुड़े परिवार से आने वाले आशीष ने नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा में दाखिला लिया और विभिन्न प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। 'दयाशंकर की डायरी' नामक ज़ी थिएटर टेलीप्ले उनके दिल के बहुत करीब है और वे कहते हैं कि इस किरदार को निभाने वक़्त उन्हें मुंबई में संघर्ष के अपने शुरुआती दिनों की याद आ गई। आशीष के विपरीत, दयाशंकर अपनी अभिनय महत्वाकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पाए और असफलता की तीव्र भावना से खुद को बचाने के लिए सुखद भ्रमों का जाल बुनने लगे। आशीष बताते हैं, 'दयाशंकर एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो एक छोटे से शहर से मुंबई आता है और जल्द ही उसके सपने और आकांक्षाएँ वास्तविकता से टकराती हैं। फिर वह एक ऐसी अवास्तविक दुनिया बनाता है जहाँ उसकी साधारण सी दुनिया महानगर की जटिलता से टकराती है।'

वह इस भूमिका से गहराई से जुड़े क्योंकि जब वह पहली बार दिल्ली से मुंबई आये तो उन्हें भी एक सांस्कृतिक झटका लगा था। जैसा कि वह कहते है, 'दिल्ली और मुंबई दोनों महानगरीय शहर हैं, लेकिन मुंबई को 'सपनों के शहर' के रूप में जाना जाता है। मुंबई में बसने के मेरे फैसले ने मेरे जीवन

को बदल दिया। दिल्ली में, मेरे पास मेरा अपना घर, मेरे माता-पिता और एक आरामदायक निजी दुनिया थी । मुंबई मेरे लिए अपरिचित था, और कभी-कभी डरावना भी। जब आप अकेला और चिंतित महसूस करते हैं, तब आपको अपना रास्ता खुद बनाना चाहिए और अपनी महत्वाकांक्षाओं को खुद ही पूरा करना चाहिए। 'दयाशंकर की डायरी' की तैयारी के दौरान यह सारी मुश्किलें और प्रतिकूलता काम आई।' दो दशकों से अधिक समय तक नादिरा बब्बर निर्देशित इस प्रशंसित नाटक में अभिनय करने वाले आशीष का कहना है कि वह और दयाशंकर समय के साथ विकसित होते चले गए हैं। 'नाटक कई वर्षों की यात्रा के दौरान विकसित होता चला गया है और मैं भी एक अभिनेता और एक इंसान के रूप में विकसित हुआ हूँ। दयाशंकर और मेरे पास कई ऐसे अनुभव हैं जो विस्तृत होते चले गए हैं और अब हमारे पास जो है वह एक समृद्ध और बहुआयामी नाटक है, न कि केवल वह कथा जो हमने 22 साल पहले शुरू की थी,' वे कहते हैं।

टेलीप्ले के प्रारूप पर चर्चा करते हुए, आशीष कहते हैं, 'मैं टेलीप्ले को एक बेहतरीन माध्यम मानता हूँ जहाँ हम लोगों को नाटकों और नाटकीय दुनिया से परिचित करा सकते हैं। नाटकों के दर्शकों में कमी आई है और टेलीप्ले लोगों को एक अलग तरह की कहानी कहने और सुनने के अनुभव से परिचित करते हैं। मुझे लगता है कि यह माध्यम कलाकारों के लिए जनता तक पहुँचने का एक सुंदर तरीका है और दर्शकों और थिएटर दोनों के लिए सुखद है'

सुमन मुखोपाध्याय द्वारा फिल्माया गया और नादिरा बब्बर द्वारा मंच के लिए निर्देशित नाटक 'दयाशंकर की डायरी' 10 जुलाई को एयरटेल थिएटर, डिश टीवी रंगमंच एक्टिव और डी2एच रंगमंच एक्टिव पर देखा जा सकता है।

सोनी सब के 'बादल पे पांव है' में, सूरज थापर ने अपने किरदार के बारे में बताया: 'बिशन के पास जो कुछ भी है, वह उससे संतुष्ट है'

सोनी सब का नया शो 'बादल पे पांव है' एक युवा और उत्साही लड़की बानी (अमनदीप सिद्धू) के जीवन पर आधारित है, जिसके सीमित वित्तीय साधन उसे बड़े सपने देखने से नहीं रोक सकते हैं। वह दृढ़त से मानती है कि भले ही भगवान ने उसे आर्थिक रूप से कमज़ोर बनाया हो, लेकिन बेहतर जीवन जीने के लिए खुद को सम्पन्न बनाने की कोशिश करने में कोई बुराई नहीं है। दूसरी ओर, खन्ना परिवार के मुखिया, बिशन खन्ना (सूरज थापर) के पास जो कुछ भी है, वह उसी में संतुष्ट रहने में विश्वास करता है।

खन्ना परिवार के दृष्टिकोण को लेकर फैंस से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से अभिभूत होकर, इस अनुभवी अभिनेता ने 'बदल पे पांव है' के विषय, दर्शकों पर इसकी प्रभावशाली कहानी के असर, और फैंस से उन्हें मिल रहे प्यार पर अपने विचार व्यक्त किए।

क्या आप 'बदल पे पांव है' में अपने किरदार बिशन खन्ना के बारे में कुछ बता सकते हैं? आपको इस किरदार में क्या बात अच्छी लगी?

ऐसा व्यक्ति मिलना मुश्किल है जो पूरी तरह से संतुष्ट हो क्योंकि हमें अपने जीवन में किसी न किसी चीज की कमी खलती ही रहती है। हम हमेशा कुछ ज़्यादा हासिल करना चाहते हैं, और कई चीजों के पीछे भागते रहते हैं। हालांकि, बिशन खन्ना जैसा व्यक्ति अपने जीवन में मौजूद चीजों से संतुष्ट है, और आजकल ऐसे लोग मिलना बहुत मुश्किल है। यही बात मुझे इस किरदार को लेकर सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है।

बिशन की कौन सी खूबियां आपको सबसे ज़्यादा अपनी लगती हैं?

बिशन हमेशा सकारात्मक रहने की कोशिश करता है, और उसकी यह खूबी मुझे सबसे ज़्यादा प्रासंगिक लगती है। जीवन में सकारात्मक रहना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि अगर कोई व्यक्ति बस इस बात को लेकर रोता रहेगा कि उसके पास क्या नहीं

है, तो वह कभी खुश नहीं रह पाएगा। इसलिए, बिशन जीवन में खुश रहना चाहता है। उसे समस्याओं का समाधान करना पसंद है, और वह उन्हें बहुत गंभीरता से नहीं लेता है क्योंकि उसे पता है कि इससे उसके आज और आने वाले कल पर बुरा असर पड़ेगा। मैं खुद के जीवन में भी, हमेशा खुश, सकारात्मक और तनाव-मुक्त रहने की कोशिश करता हूं। आपके पास जो कुछ भी है, उससे संतुष्ट रहना ज़रूरी है। ऐसा लगता है कि बिशन का अपने परिवार के साथ, खासकर अपने बेटे रजत के साथ मजबूत रिश्ता है। क्या आप उनके रिश्ते और खन्ना परिवार से संबंधित बातों के बारे में विस्तार से बता सकते हैं?

बिशन काफी मददगार, अनुरागी और विनम्र व्यक्ति है। वह सबकी मदद करने की कोशिश करता है, फिर चाहे रसोई में सब्जियां छीलना और काटना हो, या अपनी बेटी आस्था के ब्यूटी पार्लर में ग्राहकों की भीड़ होने पर उसकी मदद करना हो, या बच्चों के लिए टूटी हुई पानी की बोतलों की मरम्मत करना हो। बिशन के लिए, उसका परिवार ही उसकी दुनिया है। उसके 4 बच्चे हैं, दो बेटे और दो बेटियां, और वह उनसे बेपनाह प्यार करता है। इस कहानी के आगे बढ़ने पर, इस किरदार को और भी जानना बहुत दिलचस्प होगा। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, दर्शकों को इस किरदार के कई पहलू देखने को मिलेंगे।

आप शो की शूटिंग के लिए चंडीगढ़ गए। बिशन खन्ना के किरदार को जीवंत करने और दूसरे शहर में शूटिंग करने के दौरान, आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

अपने घर और प्रियजनों से दूर, किसी अन्य शहर में शो की शूटिंग करना काफी साहसी लेकिन मुश्किल काम है। मुझे अपने परिवार की याद आती है, लेकिन मैं खुद को काम में व्यस्त रखने की कोशिश करता हूं। साथ ही, जिस दिन मेरा शूटिंग शेड्यूल नहीं होता है, तो मैं कुछ और करता हूं, जैसे फ़िल्में देखना और किताबें पढ़ना, अपनी किसी हॉबी को पूरा करना। कुल मिलाकर, मैं अपने काम का आनंद लेने की कोशिश करता हूं। मैं नई चीजें आज़माता रहता हूं और जीवन में नई चुनौतियों का सामना करता रहता हूं। यह काफी महत्वपूर्ण है।

तीन आकर्षक वीडियो के साथ, कौन बनेगा करोड़पति सीज़न 16 ने एक विचारोत्तेजक कैम्पेन पेश किया: 'ज़िंदगी है। हर मोड़ पर सवाल पूछेगी। जवाब तो देना होगा'

देश भर में लाखों दिलों को जीतने वाला और परिवारों को एकजुट करने वाला शो, कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) अपने बहुप्रतीक्षित 16वें सीज़न के साथ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर वापस आ गया है, जिसकी मेज़बानी महान अमिताभ बच्चन कर रहे हैं।

चैनल ने जीवन की गहरी सच्चाई पर चिंतन करते हुए और अमिताभ बच्चन के प्रसिद्ध मध्यम आवाज़ में वर्णित, अपने विचारोत्तेजक कैम्पेन के नैरेटिव के साथ तीन आकर्षक वीडियो लॉन्च किए हैं: 'ज़िंदगी है। हर मोड़ पर सवाल पूछेगी। जवाब तो देना होगा'। यह दमदार विचार इस अनुभव से उत्पन्न होता है कि हमारे जीवन के कुछ महत्वपूर्ण मोड़ों पर, हमें ऐसे हालातों का सामना करना पड़ता है जो हमें चुनौती देते हैं, और ऐसे समय पर उनके प्रति हमारी प्रतिक्रिया ही नए रास्ते खोलती है।

यह विचारोत्तेजक कैम्पेन कुछ मानवीय कहानियों के माध्यम से प्रासंगिक उदाहरण सामने लाता है,

जैसे कि एक पति अपनी पत्नी के करियर विकल्पों का समर्थन करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ देता है, एक स्वतंत्र युवती शादी के बजाय पर्वतारोहण के अपने जुनून को आगे बढ़ाने का विकल्प चुनती है, और एक सम्मानित बैंक प्रबंधक अपनी रिटायरमेंट के बाद कैब ड्राइवर के रूप में काम करने का विकल्प चुनता है। ये मनमोहक विषय हमारे जीवन को आकार देने वाली चुनौतियों और जीत को उजागर करते हैं, और अमिताभ बच्चन की दमदार आवाज़ गहरा भावनात्मक जुड़ाव पेश करती है, साथ ही हमें जीवन के अप्रत्याशित ट्विस्ट और टर्न से निपटने के लिए आवश्यक इच्छाशक्ति और साहस की याद दिलाती है।

केबीसी हमेशा से किसी आम क्विज़ शो से कहीं बढ़कर रहा है; यह भारतीय लोगों के ज्ञान, दृढ़संकल्प और अदम्य भावना का उत्सव है। सालों से, यह प्रतिष्ठित मंच लोगों के जीवन को बदलने, लाखों लोगों को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने में सहायक रहा है, और इसका 16वां सीज़न जल्द ही केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर लॉन्च होगा।

मां को पीटने पर बेटे ने किया बाप का कत्ल

ग्वालियर। एक अधेड़ की मौत के बाद पुलिस अधेड़ की मौत छत से गिरकर मान रही थी असल में वह हत्या निकली। अधेड़ की मौत छत से गिरने से नहीं बल्कि बेटे की मारपीट से हुई थी। बेटे ने पिता को पहले लाठियों से पीट पीट कर मार डाला और फिर अस्पताल लेकर पहुंच गया। जहां कुछ देर उपचार के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात पनिहार में कांसेर गांव की है। हत्या की वारदात को 24 घंटे से कम समय में पनिहार थाना पुलिस ने सुलझा दिया और कांसेर में हुए अंधे कत्ल का खुलासा कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। बेटा नशेड़ी पिता द्वारा मां की मारपीट से आहत था और पिता को समझाने का प्रयास करने पर पिता ने उसकी मारपीट की थी, जिसके बाद गुस्से में उसने पिता को लाठियों से पीट-पीटकर मारा था। बेटे ने जो कहानी पुलिस को सुनाई थी उससे पुलिस को संदेह हुआ और फिर पुलिस ने जब अधेड़ का पोस्टमार्टम कराया तो उसके शरीर पर लगे चोट के निशानों ने उसकी हत्या किये जाने की चुगली कर दी।

पनिहार थाना प्रभारी धवल सिंह चौहान ने बताया कि थाना क्षेत्र के कांसेर निवासी 42 वर्षीय मिनिस्टर आदिवासी पुत्र केवलिया आदिवासी को 29 जून को उसके बेटे परमाल ने उपचार के लिए भर्ती कराया था। जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। परमाल ने पुलिस और डॉक्टरों को बताया था कि उसके पिता छत पर तिरपाल डाल रहा था और उसका संतुलन बिगड़ा और नीचे आ गिरा था, जिससे वह घायल हो गया था। जिस तरह मृतक के बेटे ने बताया कि वह छत से गिरा है, लेकिन उसके शरीर पर इतनी चोटें थीं कि जिससे पुलिस को शंका हुई। शंका होने पर पुलिस ने डॉक्टरों से बातचीत की और एफएसएल टीम को मौके पर बुलवाया। जहां पर जांच में चोटें मारपीट की होना पता चला। मामले में शंका हुई तो पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि छत से गिरने से उसे इतनी चोटें नहीं आ सकती थी। शंका होने पर बेटे से पूछताछ की तो उसके द्वारा बताई कहानी में ही लोच दिखाई दिया, इसके बाद पुलिस उसे थाने लेकर पहुंची तो वह घबरा गया और मामले का खुलासा कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। हत्यारोपी की मां ने पुलिस को बताया कि दारू के नशे में उसका पति घर आया और उसकी बेरहमी से मारपीट करने लगा। जब उसके बेटे ने उसे रोकने का प्रयास किया तो पिता ने उसकी भी मारपीट कर दी, जिसके बाद उसने पिता की मारपीट कर दी और वह ज्यादा घायल हो गया तो उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा और पिता को भर्ती कराया और छत से गिरने की कहानी बताई थी। पुलिस ने हत्यारोपी को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने साथ बिठाया तो एक हो गये दंपत्ति

ग्वालियर। पुलिस अगर मामले को गंभीरता से ले और उसका निराकरण कराने की मंशा हो तो मामले का निराकरण कुछ ही मिनटों में हो जाता है। ऐसा ही एक मामला हस्तिनापुर थाना पुलिस के सामने आया। जहां पर पति द्वारा घर से निकाले जाने के बाद तीन दिन से भूखे-प्यासे आसरे की तलाश में भटक रही महिला और उसके बच्चों को पुलिस ने सकारात्मक पहल की और पति को बुलाकर समझाइश दी तो उनके बीच आए, गिले सिकवे दूर हो गए और फिर से पूरा परिवार एक हो गया।

एसडीओपी बेहट सर्किल संतोष पटेल ने बताया कि हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के चक महरौली निवासी वेदराम अहिरवार ने दो साल पहले तीन बच्चों की मां ममता से शादी की थी। शादी के बाद ममता अपने तीनों बच्चों के साथ वेदराम के साथ रह रही थी। दो दिन पहले पति और पत्नी

के बीच विवाद हो गया और ममता के बेटे ने सौतेले पिता पर हाथ उठा दिया। इससे बेईज्जत महसूस करते हुए वेदराम ने ममता और तीनों बच्चों को घर से निकाल दिया, घर से निकाले जाने के बाद ममता और उसके बच्चे पैदल भटक रहे थे, उनके पास ना तो पैसे थो और ना ही सामान। तीन दिन से भटकते रहने के बाद वह हस्तिनापुर पहुंचे और मायूस बैठे थे कि तभी एक बुजुर्ग ने उन्हें थाने जाने की सलाह दे दी। जिस पर वह थाने पहुंचे और मामले का पता चलते ही उसके पति को बुलवाया।

दोनों पक्ष जब आमने-सामने बिठाए तो उनके आसू टपकने लगे। वेदराम का कहना था कि उसने तीनों बच्चों के साथ प्रेम भरा व्यवहार किया, लेकिन बेटे ने उसके साथ सौतेलापन कर उस पर हाथ उठाया और उसकी बेईज्जती की। इस पर ममता ने भी कहा कि दो साल से वह उसके साथ रह रहे है और हमेशा उसका सम्मान किया, गलती बेटे से हुई है, इसे वह स्वीकार करती है और उसे समझाया भी है। कुछ ही देर के प्रयास के बाद मामला सुलझ गया और हसी-खुशी अपने घर वापस रवाना हुए। बातचीत में पता चला कि ममता और उसके बच्चों ने खाना नहीं खाया है और वेदराम ने भी बताया कि उनके घर से जाने के बाद उसने भी खाना नहीं खाया, इसका पता चलते ही पुलिस ने उनके खाने की व्यवस्था की और अपने साथ बैठकर उन्हें खाना खिलाया।

अवैध शराब के साथ तस्कर पकड़ा, एक साथी हुआ फरार

ग्वालियर। अवैध शराब लेकर आए एक तस्कर को महाराजपुरा थाना पुलिस ने अमेटी यूनीवर्सिटी के पास से दबोचा है। पकड़े गए तस्कर से आठ पेटी शराब के साथ ही एक बाइक जब्त किया है। जबकि मौका पाकर उसका एक साथी वहां से भाग निकला। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसके साथी की तलाश शुरू कर दी है।

महाराजपुरा थाना प्रभारी धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि सूचना मिली थी कि अमेटी यूनीवर्सिटी के पास तस्कर अवैध शराब लेकर आने वाले है। इसका पता चलते ही एसआई श्यामसुंदर के नेतृत्व में पुलिस टीम को रवाना की और मौके पर पहुंची पुलिस को देखते ही यहां पर मौजूद युवक भागने लगे। युवकों को भागते देखकर पुलिस ने पीछा किया और एक युवक को दबोच लिया और उसके पास से करीब आठ पेटी शराब की बरामद की, जिसकी कीमत करीब चालीस हजार रुपए थी और वारदात में प्रयुक्त बाइक भी जब्त की है। पुलिस ने जब भागने वाले साथी के बारे में पूछताछ की तो पकड़े गए तस्कर अमर वर्मा ने बताया कि भागने वाला तस्कर राहुल वर्मा निवासी टाईगर चौक है। इसका पता चलते ही पुलिस ने उसकी तलाश में दबिश देना शुरू कर दिया है।

सब्जियों के दामों में उछाल, 10 से 30 फीसदी दाम बढ़े

- आलू और प्याज 40 से 50 तो टमाटर व हरी मिर्च 80 से 100 रूपये प्रतिकिलो

ग्वालियर। सीजन बदलते ही हरी सब्जी व स्थानीय सब्जियों के उत्पादन पर असर दिखाई देने लगा है। नतीजन दामों में उछाल आ गया है। 5 से 10 दिन पहले जो सब्जी के दाम थे उससे कहीं अधिक महंगी सब्जी हो गई है। बहरहाल गृहणियों को 10 से 30 फीसदी महंगे दामों में सब्जी क्रय करनी पड़ रही है। जिससे मासिक बजट भी गड़बड़ाने लगा है।

ठेलों व फेरी लगाकर सब्जी बेचने वालों का कहना है कि मंडी में सब्जी की आवक कम हो गई है, जो सब्जियां बाहर से आ रही है वह काफी उंचे दामों में मिल रही है। जिसके चलते अब सब्जियां महंगी लग रही है। अचानक कुछ सब्जियों के दाम एक चौथाई तक बढ़ गये हैं। जिसमें आलू औ प्याज है। कालोनी व मौहल्ले की गलियों में ठेले

वाले आलू और प्याज को 40 से 50 रूपये किले की दर से बेच रहे हैं वहीं हरी मिर्च व टमाटर 80 से 100 रूपये किलो तक बेचा जा रहा है। इसी तरह सीजन बदलने के कारण ग्रीष्म ऋतु की हरी सब्जियों की आवक कम हो गई है। लाकी, तोरई, पालक, ककड़ी का सीजन चला गया है। वहीं ग्रीष्म ऋतु के करेले, टिण्डे आदि सब्जी की फसल बेकार हो गई है। इसीलिये इस सीजन में अभी हरी सब्जियों की आवक कम है। पोली हाउस में जायद फसल करने वाले किसानों ने जो अभी हाल में बरसात सीजन वाली हरी सब्जियां उगाई हैं। जिससे आगामी सप्ताह से हरी व ताजा सब्जियां मिलना शुरू हो जायेंगी। फिर भी ग्वालियर में बैगन, भिण्डी, लाकी तोरई, खीरा सभी के दाम 40 रूपये प्रति किलो से उपर है। वहीं बीते माह से आलू के दामों में लगातार उछाल देखा जा रहा है और तो और बारिश होने के बाद प्याज के दामों ने भी तेजी पकड़ ली है और टमाटर की कीमत ने आसमान को पहले से ही छू लिया है।

पूर्व मंत्री के खिलाफअभद्र टिप्पणी करने वाले पर मामला दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। पूर्व मंत्री इमरती देवी के खिलाफ एक युवक ने सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी की। घटना डबरा थाना क्षेत्र की है। घटना का पता चलते ही पूर्व मंत्री थाने पहुंचीं और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पूर्व मंत्री की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं डबरा देहात थाना क्षेत्र निवासी दिनेश पुत्र रामहेत जाटव निवासी नई बस्ती अमरपुरा की शिकायत पर आरोपी लल्ला बाथम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीडित ने बताया कि आरोपी ने जाटव समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चौकीदारों ने नशे में न्यायालय के अभिभाषक कक्ष में की तोड़फोड़

ग्वालियर। दारू-मुर्गा पार्टी कर चौकीदारों पर नशे का ऐसा सूरुर चढ़ा की उन्होंने न्यायालय में तोडफोड़ कर दी। घटना सिविल न्यायालय डबरा में बीती रात की है। घटना का पता चलते ही अभिभाषक संघ थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने अभिभाषकों की शिकायत पर तोडफोड़ सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

अभिभाषक संघ डबरा के सचिव बृजमोहन मिश्रा तथा अन्य सदस्य मधुकांत तिवारी, हेमंत पंडा और महेश दुबे ने पुलिस से शिकायत की है कि सिविल न्यायालय स्थित अभिभाषक कक्ष क्रमांक एक में बीती रात वहां पर सुरक्षा के लिए तैनात चौकीदार राजकुमार बस व कालू रावत पुत्र बलवंत रावत ने तोडफोड़ कर करीब दो लाख रुपए का नुकसान कर दिया है। अभिभाषक संघ की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अभिभाषक संघ ने बताया कि बीती रात ड्यूटी पर तैनात चौकीदार राजकुमार बस व कालू रावत ने अपने साथियों के साथ दारू पार्टी की और जैसे ही शराब का सुरूर चढ़ा तो चौकीदारों ने अभिभाषक कक्ष में हंगामा किया और दारू की बोतले फोड़ कर चारों तरफ फेंकी, इसके बाद भी वह शांत नहीं हुए और एसी, कुर्सी टेबल सहित अन्य सामान क्षतिग्रस्त कर दिया। हंगामा कर रहे चौकीदार व उनके साथियों ने अभिभाषक कक्ष में लगी महापुरूष महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर सहित अन्य तस्वीरों के साथ ही वहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले। पुलिस ने अभिभाषकों की शिकायत पर मामला दर्ज कर दोनों संदेहियों को हिरासत में ले लिया है। एसडीओपी विवेक शर्मा का कहना है कि अभिभाषक संघ ने न्यायालय में तोडफोड़ और शराब पार्टी की शिकायत की है। शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

नर्सिंग छात्र संगठन ने जेयू के रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा

ग्वालियर। नर्सिंग छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष उपेन्द्र गुर्जर ने जीवाजी यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार अरुण चौहान को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि काफी समय से बीएससी नर्सिंग के छात्रों के एग्जाम नही हो पा रहे है और छात्र काफी परेशान है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने जल्द से जल्द पेपर कराने के और 10 जुलाई से एग्जाम फॉर्म की लिंक खोलने का अस्वाशन दिया है और यदि 10 जुलाई तक एग्जाम फॉर्म नही खोले गये तो नर्सिंग छात्र सगठन अपनी पूरी टीम के साथ रजिस्ट्रार के बंगले का घेराव करेंगे। जिला अध्यक्ष उपेंद्र गुर्जर ने कहा कि छात्रों के साथ बिल्कुल अत्याचार नही होने दूंगा और नर्सिंग छात्र सगठन छात्र हित में सदैव तत्पर खड़ा मिलेगा।

एफएलएन कार्यक्रम 2027 तक बढ़ाया

- कक्षा 3 के विद्यार्थी भी दक्ष बनेंगे आधारभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान से

ग्वालियर। समग्र शिक्षा अभियान एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत निर्पुण भारत के तहत एफएलएन ;फाउण्डेशन लिटरेसी एण्ड नुमरेसीद्ध आधारभूत, साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदेशभर में बीते दो वर्षों से संचालित है और अब आगे सत्र वर्ष 2026-27 तक लक्ष्य पाने के लिये कार्ययोजना तैयार की गई है।

इस संबंध में बीते सप्ताह ग्वालियर से मास्टर ट्रेनर, एपीसी अकादमिक और डाइट संस्था से एक प्रतिनिधि सहित 38 प्रतिभागियों ने भोपाल में सहभागिता कर एफएलएन रिफ्रेशर प्रशिक्षण थर्ड प्राप्त किया है। अब यह सभी मास्टर ट्रेनर व प्रतिनिधि जिला व ब्लाक स्तर पर कक्षा एक व दो के शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 से कक्षा एक व दो में हिन्दी, अंग्रेजी और गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को एफएलएन ;आधारभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञानद्ध के लिये प्रशिक्षण शुरू किया गया है। साथ ही बच्चों को मिशन कार्यक्रम के तहत दक्ष बनाया जा रहा है। अब यह अभियान 2026-27 तक के लिये भी और आगे बढ़ा दिया गया है। साथ ही इस साल से कक्षा 3 में भी एफएलएन पद्धति भी लागू की गई है और अभी हाल में प्रदेश स्तर पर भोपाल में आवासीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण भी दिया गया है। अब यह सभी मास्टर ट्रेनर ग्वालियर के सभी छह ब्लाकों में विषय अनुसार कक्षा एक दो व तीन को पढ़ाने वाले शिक्षकों को एफएलएन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रत्येक ब्लाक से 6 टीचर्स को मास्टर ट्रेनर तैयार किया गया है। यह सभी टीचर्स हिन्दी विषय के दो, गणित के दो और अंग्रेजी विषय के भी दो-दो मास्टर ट्रेनर है। ग्वालियर जिला शिक्षा केन्द्र से एपीसी अकादमिक संजीव कुमार ने बताया कि विभाग से प्रशिक्षण तिथि घोषित होते है। ग्वालियर में हिन्दी, अंग्रेजी व गणित विषय के शिक्षकों को एफएलएन का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान में दिया जाता है स्वरोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण

ग्वालियर। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों का प्रशिक्षण लेकर जरूरतमंद युवा अपना स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकते हैं। ग्वालियर में वर्तमान में सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया द्वारा जिला पंचायत व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से स्वरोजगारियों को विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के संचालन का प्रशिक्षण इस संस्थान में दिया जा रहा है। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त हितग्राहियों को बैंक से आर्थिक गतिविधि के लिए ऋण दिलाने में भी मदद दी जाती है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने बीते रोज इस संस्थान का निरीक्षण किया एवं संस्थान के प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक जतिन वलेचा ने बताया कि संस्थान में ब्यूटी पार्लर, सिलाई, डेयरी फार्म, वर्मी कम्पोस्ट, सॉफ्ट खिलौने बनाना, सामान्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम, मशरूम पालन, मोबाइल रिपेयरिंग, अचार-पापड़ बनाना, पापड़ टिक्कल मसाला पाउडर, फास्ट फूड, पेपर कवर, कस्टम ज्वैलरी, होम मेड अगरबत्ती, मोमबत्ती, सब्जी प्रबंधन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिकल एवं रबर इत्यादि सहित कुल मिलाकर 64 प्रकार की स्वरोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान में इन गतिविधियों का प्रशिक्षण पूर्णतरू निरूशुल्क दिया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान आवेदकों के खाने-पीने व आवास की निरूशुल्क व्यवस्था रहती है। प्रशिक्षण के बाद प्रमाण-पत्र भी संस्थान द्वारा दिया जाता है। जिसके आधार पर हितग्राही बैंक से ऋण व सरकारी योजनाओं के तहत अनुदान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत 315 इकाईयां स्थापितः संभाग आयुक्त

ग्वालियर। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएम एफएमई) के तहत ग्वालियर संभाग में वर्ष 2023-24 के दौरान 315 विभिन्न प्रकार की स्वरोजगारमूलक इकाईयाँ स्थापित कराई गई हैं। इस योजना के तहत संभाग के सभी जिलों में खाद्य संबंधी इकाईयां स्थापित करने के लिये कुल मिलाकर 453 प्रकरण बैंकों द्वारा स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 315 इकाईयां मूर्तरूप ले चुकी हैं। संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी इस योजना के तहत लक्ष्य के अनुरूप सभी जिलों में स्वरोजगारमूलक इकाईयां स्थापित कराने के निर्देश उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के संभागीय कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत ग्वालियर जिले में बैंकों द्वारा 248 प्रकरण स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 147 इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। ग्वालियर जिले में खासकर हर्बल जूस, ड्राइड फ्रूट, खाने की ग्रेवी (रेडी टू ईट) व पनीर निर्माण की इकाईयां विभिन्न हितग्राहियों ने स्थापित की हैं। इसी तरह संभाग के शिवपुरी जिले में बैंकों से मिले ऋण के आधार पर 99 इकाईयां, दतिया जिले में 19, गुना जिले में 35 व अशोकनगर जिले में 15 इकाईयां पिछले वित्तीय वर्ष में स्थापित कराई गईं। बैंकों द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष अर्थात वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत शिवपुरी जिले में 75, दतिया में 39, गुना में 64 व अशोकनगर जिले में 27 प्रकरण मंजूर किए गए। शिवपुरी जिले में आईसक्रीम, बटर, हल्दी पाउडर, सेव, पनीर व घी, दतिया जिले में पोहा, कुकीज, ब्रेड, कैंडी, नमकीन व पनीर, गुना जिले में सेव, चिप्स, अचार, टमाटर सॉस, मिर्ची पाउडर, ड्राइज प्याज व फ्लेक्स एवं अशोकनगर जिले में नूडल्स, पास्ता, केले के चिप्स, पापड़ व धनिया मसाला निर्माण इकाई स्थापित कराई गई हैं।

घाटीगाँव से जुड़ी ग्राम पंचायतों में व्हीसी के जरिए हुई जनसुनवाई

ग्वालियर। तकनीक के उपयोग से दूरस्थ गाँवों तक सुशासन को मजबूत

करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप ग्वालियर जिले में हुई पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। जिले के घाटीगाँव के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय से व्हीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के जरिए ग्राम पंचायत स्तर तक जन-सुनवाई शुरू की गई है। मंगलवार को व्हीसी से हुई जन-सुनवाई में ग्राम पंचायत पनिहार के निवासी कैलाश आदिवासी के लिये प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत होने की प्रक्रिया पूरी हुई तो इसी गाँव की श्रीमती बृजेश रावत का बीपीएल सूची में नाम शामिल हो गया। जब घाटीगाँव के एसडीएम राजीव समाधिया ने इन दोनों हितग्राहियों को उनका काम हो जाने की खुशखबरी सुनाई तो ये दोनों खुशी से झूम उठे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही बोले कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गाँव-गाँव तक जन-सुनवाई शुरू कर हम सब लोगों को बड़ी राहत दी है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि मंगलवार को प्रातरू 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पटवारी, आरआई, एएनएम व आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक सहित अन्य संबंधित विभागों के मैदानी कर्मचारी मौजूद रहकर जनसुनवाई करने के निर्देश दिए हैं । ग्राम पंचायत मुख्यालय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय से जुड़े रहते हैं। एसडीएम द्वारा अपने क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर हो रही जन-सुनवाई की व्हीसी के जरिए निगरानी की जा रही है। साथ ही समस्याओं का निराकरण भी कराया जा रहा है। जिले के घाटीगाँव राजस्व अनुविभाग में व्हीसी के जरिए जनसुनवाई शुरू हो चुकी है।

पेड पर लटकी मिली वृद्ध की लाश

ग्वालियर। एक वृद्ध का शव पेड़ पर लटका हुआ पुलिस को मिला है। घटना पिछोर थाना क्षेत्र के मसूदपुर में मंगलवार की सुबह की है। फिलहाल पता नहीं चला है कि वृद्ध ने किस कारण के चलते आत्महत्या की है। पिछोर थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह सूचना मिली थी कि मसूदपुर में एक बुजुर्ग की लाश सरस के पेड से फांसी के फंदे से लटकी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच में मामला सुसाइड का लगा। मृतक की पहचान 75 वर्षीय बाबू सिंह निवासी गणी के रूप में हुई है।

कृषि विश्वविद्यालय का रायपुर के छात्रों ने किया भ्रमण

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय का इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से संबद्ध पंडित शिवकुमार शास्त्री कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ के बी.एस.सी. कृषि के द्वितीय वर्ष के 78 विद्यार्थियों एवं 4

शिक्षकों द्वारा मंगलवार को विश्वविद्यालय पुस्तकालय का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को केन्द्रीय पुस्तकालय के सभी विभागों एवं रेडियो आवृत्ति पहचान प्रणाली (आर.एफआई.डी.) के बारे में विस्तार से समझाया गया तथा विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछे। इस दौरान उपस्थित विषय विशेषज्ञों ने छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया। सभी छात्र एवं शिक्षक विश्वविद्यालय की संरचना एवं गतिविधियों से प्रभावित हुए।

नाले के ऊपर बनी गुमटियों एवं हाथ ठेलों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने अभियान चलाकर मंगलवार को पिंटो पार्क पर नाले के ऊपर बनी गुमटियों एवं हाथ ठेलों को हटाया। मदाखलत अधिकारी शैलेन्द्र चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पिन्टो पार्क हॉकर्स जोन के पीछे नाले के ऊपर लगी गुमटियों, हाथ ठेलों, बान्स की टटियाओं, छप्परों इत्यादि अन्य अस्थाई अतिक्रमण जो साफसफाई कार्य में बाधक थी। उन्हें जे.सी.बी मशीनों से हटवाये जाने की कार्यवाही की गई। इसके

साथ ही बारादरी चौराहा, सदर बाजार, अग्रसेन चौराहा, गरम सड़क, छह नम्बर चौराहा, खुला सन्तर रोड, रामलीला मैदान रोड, अल्पना टाकीज रोड सहित विभिन्न स्थानों पर खडे यातायात में बाधक हाथ ठेलों, फुटपाथी दुकानों, दुकानदारों की दुकानों के बाहर सडक पर रखे सामान को हटवाने की कार्यवाही की गई। साथ ही हाथ ठेले जब्त कर मदाखलत कार्यालय हुरावली रोड डी.बी. सिटी के सामने स्थित कार्यालय पर भिजवाये गये।

अध्ययन के साथ करें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी : सीएसपी अशोक सिंह

ग्वालियर। विज्ञान महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के द्वितीय दिवस में मंगलवार को सीएसपी पड़ाव अशोक सिंह जादौन ने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के मंत्र दिए। प्रथम प्रयास में ही प्रतियोगी परीक्षा में बड़ी सफलता प्राप्त करने वाले सीएसपी जादौन ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करते ही छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए।

इस मौके पर टीआई ट्रैफिक सुनील सिकरवार एवं टीआई इंदौर विनय शर्मा ने भी छात्रों को प्रतियोगिताओं में अधिक अंक अर्जित करने, साक्षात्कार एवं शारीरिक क्षमता परीक्षण की तैयारियों के तरीके बताए। शासकीय अधिवक्ता नीरज कुमार भार्गव ने कहा कि छात्र जीवन में अपनी प्राथमिकताएं तय करें और उन पर ध्यान केंद्रित कर उत्कृष्टता प्राप्त करें तो सफलता अवश्य ही प्राप्त होगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीपीएस जादौन ने छात्रों को कक्षाओं में नियमित उपस्थित रहने का निर्देश दिया। नवप्रवेशित छात्रों को महाविद्यालय में चल रही विभिन्न योजनाओं की जानकारियां भी प्रदान की गईं। कार्यक्रम में डॉ एसके सेंगर ने परीक्षा, डॉ गिरीश शर्मा ने शैक्षणिक विनिमय, डॉ प्रगति पाठक ने स्वयंम पोर्टल, डॉ राकेश टैगर ने छात्रवृतियों, डॉ नीलम भटनागर ने कैरियर प्लेसमेंट, डॉ सीमा शर्मा ने सांस्कृतिक गतिविधियों, डॉ अनीश पांडे ने नैक एवं आइक्यूएसी, डॉ केके पाराशर ने पूर्व छात्र संवाद एवं विभागाध्यक्षों नें अपने विभागों के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के मध्य, आईस ब्रेकिंग सेशन में डॉ एके शुक्ला द्वारा यादृच्छिक रूप से छात्र-छात्राओं को मंच पर प्रस्तुति देने हेतु आमंत्रित किया गया जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंकिता सोनी एवं डॉ डीके शर्मा ने किया। इस मौके पर डॉ मधुकर उपाध्याय, डॉ सुयश कुमार, डॉ अशोक चौहान, डॉ विशाल कदम, डॉ शोभिता उपाध्याय, डॉ सीमा शर्मा, डॉ दीपा यादव, डॉ राजनारायण शर्मा सहित महाविद्यालय प्राध्यापक और बड़ी संख्या में नव प्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने की मुरार नदी रिनोवेशन कार्य की समीक्षा

ग्वालियर। निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने मंगलवार को मुरार नदी क्षेत्र में चल रहे कार्यों एवं फेस-2 की डीपीआर की समीक्षा की। श्री सिंह ने मुरार नदी में चल रहे रिनोवेशन कार्य के फेस-2 के डीपीआर की समीक्षा कर बिंदु वार चर्चा कर विभिन्न बिंदुओं के संशोधन के साथ ही आवश्यक निर्देश दिए गए तथा मुरार नदी क्षेत्र में हरियाली एवं सुरक्षा बढ़ाने को कहा। बैठक में सिटी प्लानर पवन सिंघल, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, सहायक सिटी प्लानर प्रदीप जादौन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

महिला की सरे बाजार बुरी तरह पिटाई

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था और शासन-तंत्र की हर स्तर पर मौजूदगी के दावे वाले राज्य में हुई यह घटना जिस प्रकृति में देखी गई, उससे यही लगता है कि या तो अपराधी तत्त्वों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है या फिर उनके बीच सरकार या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर में भीड़ के बीच एक महिला और पुरुष की बुरी तरह पिटाई की घटना अराजक हो चुके लोगों और नाकाम हो चुकी सरकार का ही उदाहरण लगती है। खबरों के मुताबिक, विवाहेतर संबंधों के आरोप पर गांव में एक कथित सभा बुला कर युवा जोड़े को सजा के तौर पर सबके सामने बर्बरता से पीटा गया। एक वीडियो में भीड़ के बीच एक व्यक्ति महिला और पुरुष की जिस तरह पिटाई करता दिखता है, वह हैरान करने वाला है। वहां खड़े लगभग सभी लोग मूकदर्शक थे और कहीं भी पुलिस या प्रशासन का दखल नहीं दिख रहा था। सवाल है कि किसी व्यक्ति के व्यवहार या गतिविधि को अपराध तय करने और उसे सजा देने का अधिकार कुछ अराजक, अपराधी तत्त्वों या भीड़ को किसने दे दिया! हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने महिला और पुरुष को पीटने के मुख्य आरोपी से कोई संबंध होने से इनकार किया, मगर बताया जा रहा है कि वह शख्स इसी पार्टी का स्थानीय कार्यकर्ता है।

किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था और शासन-तंत्र की हर स्तर पर मौजूदगी के दावे वाले राज्य में हुई यह घटना जिस प्रकृति में देखी गई, उससे यही लगता है कि या तो अपराधी तत्त्वों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है या फिर उनके बीच सरकार या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। अराजकता के आलम का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बीते एक हफ्ते के दौरान राज्य में भीड़ द्वारा हिंसा की कई घटनाएं सामने आईं। खुद पुलिस के मुताबिक, हाल में राज्य में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या किए जाने की यह चौथी घटना है। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में कुछ लोगों ने खुद को न्यायालय मान लिया है और वे मनमाने तरीके से फैसला कर डालते हैं। हैरानी की बात है कि राज्य में कई जगहों पर किसी कथित 'कंगारू कोर्ट' या सभाओं में सामाजिक मसलों पर महज आरोप के बाद आनन-फानन में ऐसे फैसले सुना दिए जाते हैं, जो अराजकता का ही उदाहरण है। ऐसी किसी घटना के तूल पकड़ने के बाद पुलिस आनन-फानन में कार्रवाई करती दिखती है, लेकिन इससे पहले सरकार और उसका शासन-तंत्र कहां होता है?

आज दुनिया में 80 प्रतिशत लोग इस गर्मी को झेल रहे हैं और ऐसे गर्म दिनों की संख्या पहले प्रतिवर्ष 27 के आसपास होती थी, लेकिन अब वर्ष में 32 दिन ऐसे होते हैं, जब गर्मी खतरे की सीमा तक पहुंच जाती है। अभी बिहार, जैसलमेर, दिल्ली में भयंकर हीटवेव की खबर आई थी, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में भी हीटवेव ने लोगों?की हालत बदतर कर दी है। इस बढ़ती गर्मी का सबसे महत्वपूर्ण कारण तो यही है कि हमने पृथ्वी और प्रकृति के बढ़ते असंतुलन की तरफ कभी ध्यान ही नहीं दिया। दुनिया भर में एक-एक करके प्रकृति के सभी संसाधन या तो बिखर गए या फिर घटते चले गए। और इसका जिम्मेदार अगर कोई है, तो स्वयं मनुष्य ही है। हमने अपनी जीवन-शैली को कुछ इस तरह बना लिया है कि अब हम उन आवश्यकताओं से बहुत ऊपर उठ गए हैं, जो जीवन का आधार थीं। अब हमने विलासिताओं को भी आवश्यकताओं में बदल दिया है, जिनके कारण पृथ्वी के हालात गंभीर होते चले गए।

चिंताजनक : बंजर होती जमीन को हरा-भरा करने का सिर्फ एक ही रास्ता

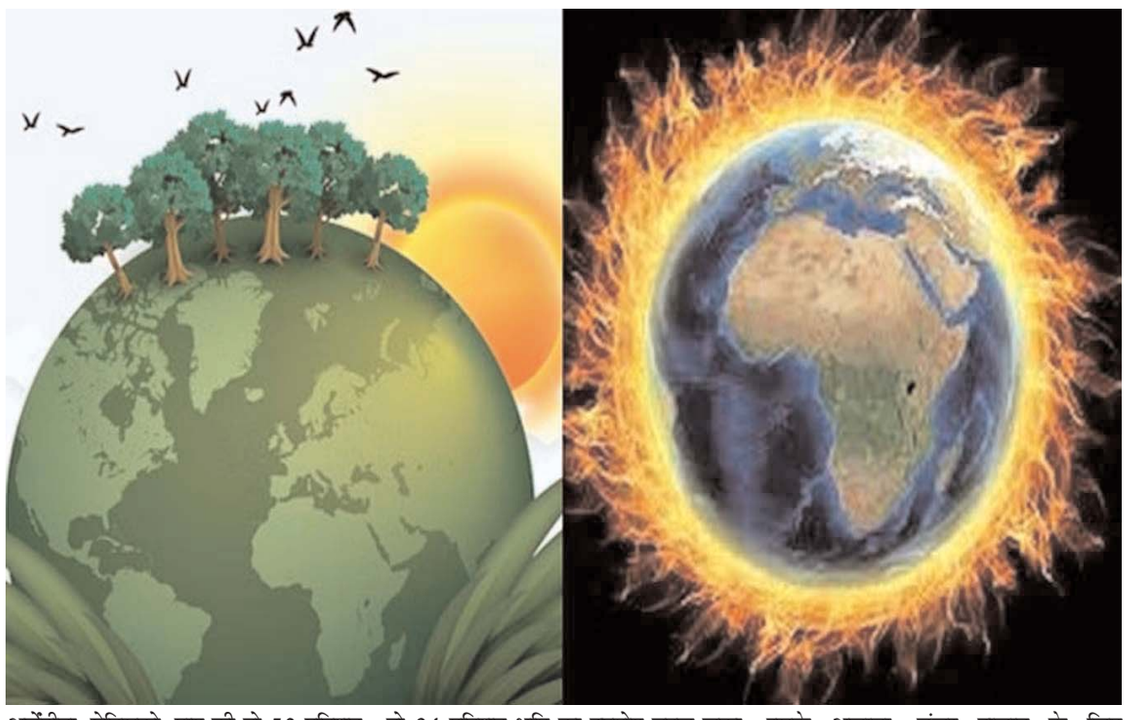

पर्यावरण को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने हाल ही में जिस विषय पर चर्चा का आह्वान किया है, वह बंजर पड़ती जमीन और बढ़ता मरुस्थल है। पर्यावरण के मौजूदा हालात से कम से कम यह तो समझा ही जा सकता है कि अब सब कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर जा रहा है। इस बार के ग्रीष्म काल को ही देख लीजिए, जिसने फरवरी से ही गर्मी का एहसास दिला दिया था और जून पहुंचते-पहुंचते अपना प्रचंड रूप दिखा दिया। पूरी दुनिया में औसतन तापक्रम बढ़ा है और अब प्रचंड गर्मी के दिन धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं। इस बात को राहत न मानें कि आने वाले समय में ये स्थिर हो जाएंगे। आज दुनिया में 80 प्रतिशत लोग इस गर्मी को झेल रहे हैं और ऐसे गर्म दिनों की संख्या पहले प्रतिवर्ष 27 के आसपास होती थी, लेकिन अब वर्ष में 32 दिन ऐसे होते हैं, जब गर्मी खतरे की सीमा तक पहुंच जाती है। अभी बिहार, जैसलमेर, दिल्ली में भयंकर हीटवेव की खबर आई थी, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में भी हीटवेव ने लोगों?की हालत बदतर कर दी है। इस बढ़ती गर्मी का सबसे महत्वपूर्ण कारण तो यही है कि हमने पृथ्वी और प्रकृति के बढ़ते असंतुलन की तरफ कभी ध्यान ही नहीं दिया। दुनिया भर में एक-एक करके प्रकृति के सभी संसाधन या तो बिखर गए या फिर घटते चले गए। और इसका जिम्मेदार अगर कोई है, तो स्वयं मनुष्य ही है। हमने अपनी जीवन-शैली को कुछ इस तरह बना लिया है कि अब हम उन आवश्यकताओं से बहुत ऊपर उठ गए हैं, जो जीवन का आधार थीं। अब हमने विलासिताओं को भी आवश्यकताओं में बदल दिया है, जिनके कारण पृथ्वी के हालात गंभीर होते चले गए। मसलन आज हमारी जीवन-शैली में बहुत बड़े बदलाव आए हैं। बढ़ता शहरीकरण और ऊर्जा की अत्यधिक खपत के कारण ग्लेशियर पिघलने लगे हैं, तो नदियां सूखने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। जमीन हो या आसमान पृथ्वी का कोई भी हिस्सा सुरक्षित नहीं बचा है। दुनिया में बढ़ते मरुस्थल की चिंता पर हम कितने गंभीर हैं, इसका पता इन आंकड़ों से चलता है। दुनिया में करीब 24 प्रतिशत भूमि अब मरुस्थलीय लक्षण दिखा रही है। मरुस्थलीय भूमि उसे कहते हैं, जहां कुछ भी पैदा होना संभव नहीं रहता और पूरी धरती लवणीय हो जाती है तथा पानी की बहुत बड़ी कमी हो जाती है। बोलीविया, चिली, पेरू जैसे देशों में 27 से 43 प्रतिशत भूमि मरुस्थलीय हो चुकी है और अर्जेंटीना, मेक्सिको, प्राग की तो 50 प्रतिशत से ज्यादा भूमि बंजर पड़ चुकी है। दुनिया भर में बढ़ते ग्रासलैंड व सवाना जैसे मरुस्थल इसी ओर संकेत करते हैं कि ये भूमि उपयोगी नहीं रहीं। अपने देश में माना जाता है कि 35 फीसदी भूमि पहले ही डिग्रेड हो चुकी है और इसमें से भी 25 फीसदी बंजर बनने वाली है। ज्यादातर ऐसी भूमि उन राज्यों में है, जो संसाधनों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।?उदाहरण के लिए, झारखंड, गुजरात, गोवा, दिल्ली और राजस्थान भी इनमें शामिल हैं। इन क्षेत्रों में 50 फीसदी से ज्यादा भूमि बंजर होने वाली है। थोड़ी राहत की बात है कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल, मिजोरम जैसे राज्यों में अभी मात्र 10 प्रतिशत भूमि में ही बंजरपन दिखाई दे रहा है। जहां पहले वन होते थे, तालाब थे, या जहां प्रकृति के अन्य संसाधनों के भंडार होते थे, उन सबको अन्य उपयोगों में ले लिया गया है। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया भर की 50 प्रतिशत भूमि को अन्य उपयोगों में लगा दिया गया है। इनमें 34 फीसदी देश अत्यधिक बदलाव की श्रेणी में हैं, जबकि 48 फीसदी देशों में मध्यम बदलाव हुआ है, और 18 फीसदी देश ही ऐसे हैं, जहां भूमि उपयोग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। दक्षिण एशिया में तो 94 प्रतिशत भूमि का उपयोग बदल चुका और यूरोप 90 फीसदी तथा अफ्रीका में यह आंकड़ा 89 प्रतिशत है। भूमि उपयोग बदलने के कारण प्रकृति तेजी से हमारा साथ छोड़ रही है। जबसे औद्योगिक क्रांति आई, तबसे हमने 68 फीसदी वन खो दिए। आज दुनिया में मात्र 31 फीसदी वन बचे हैं। इस तरह एक व्यक्ति के हिस्से में करीब 0.68 वृक्ष ही आएंगे। अपने देश में दावा किया जाता है कि हमारे पास 23 प्रतिशत भूमि वनों से आच्छादित है। अगर इसे सही मान भी लें, तो हमारे यहां प्रति व्यक्ति के हिस्से में 0.08 भूमि है। दूसरी चिंता की बात यह ही कि देश का ऐसा कोई भी कोना नहीं है, जहां खनन ने अपना पैर न फैला दिया हो। सरकारों के लिए यह राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत भी होता है। इसलिए खनन हर राज्य की आय का बड़ा साधन बन चुका है। फिर दुनिया में खेती के पैटर्न में बहुत ज्यादा बदलाव आया। अब खेती व्यावसायिक हो चली है, जिसमें आक्रामक ढंग से रसायनों का अधिकाधिक उपयोग होता है। पहले पेट भरने के लिए खेती होती थी, पर अब पैसों के लिए खेती की जाती है। नतीजतन खेती वाली भूमि भी बंजर हो गई। पानी के अभाव के कारण भी कई स्थानों पर खेती को त्याग दिया गया है। इसके अलावा, बंजर हालात के लिए क्लाइमेटिक वेरिएशन भी कारण बना है। हर देश में स्थान विशेष की परिस्थिति में ह्रास आया है। आज भी लकड़ी और चारे के लिए जंगलों पर निर्भरता बनी हुई है। दूसरी तरफ गर्मी में एसी और जाड़ों में हीटर का बदस्तूर उपयोग जारी है। हम सुबह से शाम तक ऊर्जा की खपत में लगे रहते हैं, पर उसकी आपूर्ति के रास्ते भी सीमित हो गए। चिंताजनक बात यह है कि अब हमारे पास भी ऐसा विकल्प नहीं बचा है, जो बंजर पड़ती भूमि को फिर से हरा-भरा कर सके। एक ही रास्ता है कि अगर हम देश में वन लगाने को जन आंदोलन का रूप दे दें, तो शायद कुछ नियंत्रण हो पाए। लेकिन इस क्रम में वनों की प्रजाति पर भी उतना ही गंभीर होना पड़ेगा, क्योंकि स्थानीय वन ही वहां की प्रकृति को जोड़ते हैं और साथ देते हैं। कभी-कभी वनीकरण के दौरान हम ऐसी प्रजातियों पर बल देते हैं, जिनका कोई प्राकृतिक योगदान नहीं होता और ये कमर्शियल फॉरेस्ट्री बन जाती है। आज दुनिया भर में बढ़ती गर्मी और समुद्र से उठे तूफान हमें समझा रहे हैं कि अब हम अपने चरम पर पहुंच गए हैं, जहां से बंजर होती यह दुनिया फिर शायद हमारे लिए जीने लायक नहीं बचेगी।

हर पांच साल पर क्रांति और बदलाव का इंतजार जनता को विश्वास जल्दी ही होगा बड़ा उत्सव

अपने लक्ष्य से भटकी हुई क्रांति हर बदलाव को व्यर्थ कर रही है। उसकी तलाश में देश की गरीबी रेखा से नीचे छिटके लोगों की भीड़ और बढ़ गई। लोग अब एक जून की रोटी भी नहीं खा पा रहे। महामारी ने उनकी भीड़ और बढ़ा दी और सरकार ने समाधान के लिए मुफ्त और सस्ती वस्तुओं की दुकानों की संख्या बढ़ा दी। मौसम बदला तो क्षितिज के उस पार से नगाड़ों के बजने का स्वर गूंजने लगा। हमें बताया गया था कि जिस पौन सदी से क्रांति और बदलाव का इंतजार था, ये नगाड़े फिर उसका आभास दे रहे हैं। नगाड़ों का कसब भी अजीब है। हर पांच साल के बाद यह क्रांति हो जाने का आभास देते हैं और अगर मध्यावधि चुनाव हो जाएं तो नगाड़ों के स्वर और भी करीब आ जाते हैं। ये नगाड़े शोभायात्राओं में चलते पैरों की धमक और उनके जिंदाबाद के स्वरों पर जीते हैं। बहुत जल्दी एक नया उत्सव मनाने की घोषणा कर देते हैं। शून्य भ्रष्टाचार, महंगाई को जड़मूल से उखाड़ना और आम आदमी की खुशहाली के सूचकांक को शीर्ष पर पहुंचा देना क्रांति के इन नगाड़ों का स्वर है, पर यह स्वर लगातार भर्राता गया है। मगर आज भी कई लोग विश्वास करते हैं कि जब क्रांति होगी तो सबके अच्छे दिन आ जाएंगे। वक्त बदलेगा और काम मांगने वाले उस कतार में नहीं खड़े होंगे, जो सिफारिश के धक्के से आगे बढ़ती है। काम देने वाले 'जागते रहो' की आवाज के साथ जो जिस योग्य है, उसके बिना पूछे ही काम बांट देंगे। काम दिलाने वालों की वह जमात खत्म हो जाएगी, जो आपको अपने इलाके में जीने का उपहार बांटते और अपनी नान-कचौरी का थोड़ा-सा और जुगाड़ करने के बाद कह देते हैं, 'अरे भई मन विदीर्ण हो गया। देश में गरीबी तो और बढ़ गई। इसे जड़ से मिटाना एक पीढ़ी का काम नहीं। इसके चिह्न मिटाने के लिए केवल हम नाकाफी रहेंगे। हमारे संघर्ष की विरासत हमारी अगली पीढ़ी अंगीकार करेगी।' यों यहां क्रांति एक अचानक फूटता हुआ विप्लव नहीं। यह वह लावा है, जो परिवारवाद के कंधों पर सवार होकर फूटता है। यह अच्छे दिनों की वह डोली है, जिसे हमारे खेत रहने के बाद हमारे नाती-पोते तक उठाते हैं। कैसी स्पंदित कर देने वाली वह याद है, जब आज से सतहत्तर बरस पहले रात के बारह बजे घुप्प अंधेरे में एक युगपुरुष की आवाज गूंजी थी। इस आवाज में सदियों से पड़ी देश की बेड़ियां कट जाने की सूचना थी। आधी रात को एक नया सूरज उगा देने का वचन था। लोकराज लाने का वादा था। समाजवाद के सूरज के सातों घोड़े समतावाद, गरीब और अमीर का भेद मिटा देने के सपने की अगवानी कर रहे थे। हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी और हर नागरिक को अपना सिर ऊंचा कर जीने का संदेश दे रहे थे। खून-खराबा नहीं लोकतंत्र के विस्तृत पथ पर योजनाबद्ध आर्थिक विकास की रेलगाड़ी पर सवार करवा कर सबके लिए अच्छे दिन ला देने का विश्वास था उस वाणी में। उसके बाद युग पर युग बीत गए, लेकिन भूख से तड़पते हुए आम आदमी ने खंडित सपनों का तकिया छोड़ने से इनकार कर दिया। बदलाव नेताओं के लिए दावों, भाषणों और घोषणाओं की लक्ष्मण रेखाओं में कैद हो गया। मुक्ति की वैतरणी के वादे आज भी हैं। मध्यजन उसके लिए उस पार नौकाएं भी लेकर आ जाते हैं बार-बार, लेकिन इनमें बाकी सबके लिए जगह कहां? यह तो पहले ही उनके प्यादों से भरी हुई थी। आम आदमी को समझाया जाता कि इस बीच देश बहुत तरक्की कर गया है, लेकिन तरक्की पसंद देशों के सूचकांक बेकारी, भूख और गरीबी की बढ़ती हुई कतार को देख कर और भी संत्रस्त हो जाते कि आपका देश तो आर्थिक गिरावट की दो-चार पायदान और नीचे उतर गया। आम आदमी पूछता है, इस देश में क्रांति का अर्थ क्या इसका कोलाहल है, जो इसके बारे में देश की संसद में उल्टे-सीधे विधेयक पास करवा देने से पैदा होता है? क्या इसका अर्थ लाखों धरती पुत्रों के सैलाब का राजधानी के बाहर उमड़ आना है, जो यह नारे लगाता है कि हमसे बिना पूछे बनाए कानूनों को हम पर मत थोपो। इन्हें रद्द करो, फिर हमसे सलाह करके नए कानून बनाओ। क्रांति क्या जोर-आजमाइश होती है, जिसमें एक पक्ष कहता है इन आततायी कानूनों को रद्द करो और हमसे पूछ कर नये कानून बनाओ। दूसरा पक्ष कहता है, चश्मे का नंबर बदलो। ये हमदर्द कानून तुम्हें आततायी नजर आ रहे हैं? सड़कों पर क्रांति की तलाश में निकले हुए कहते हैं कि 'इनका रंग-रूप नहीं, इनका दिल बदलो।' क्रांति के मुखौटे बदलते रहते हैं और इधर योजनाबद्ध आर्थिक विकास का चेहरा भू-लुंठित पड़ा है। योजना आयोग सफेद हाथी कहला कर मृतप्राय हो गया, और उसका मुखौटा नीति आयोग उसक मर्सिया पढ़ते हुए बदलाव को आवाज दे रहा है। इस आवाज में कभी कतार में खड़े आखिरी आदमी के उदय की बात होती थी। देश में हर लक्ष्य से पिछड़ने और फिर कोरोना जैसी महामारी का ऐसा प्रकोप हुआ कि अब कतार के इस आखिरी आदमी के अंत्योदय की बात एक प्रहसन लगती है। अपने लक्ष्य से भटकी हुई क्रांति हर बदलाव को व्यर्थ कर रही है। उसकी तलाश में देश की गरीबी रेखा से नीचे छिटके आदमियों की भीड़ और बढ़ गई। ये लोग तो अब एक जून अपनी मेहनत की रोटी भी नहीं खा पा रहे।

महामारी ने उनकी भीड़ और बढ़ा दी और सरकार ने समाधान के लिए मुफ्त और सस्ती वस्तुओं की दुकानों की संख्या बढ़ा दी। इनके खालीपन के बाहर कब तक जिंदगी बदल जाने का इंतजार करते हुए वे उखड़े लोग खड़े रहेंगे? अभी भ्रष्टाचार सूचकांक ने बताया है कि उसके उन्मूलन का दावा औंधे मुंह गिरा है, और रिश्वत लेना और देना अपराध नहीं, जीवन जीने की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। यह कैसी क्रांति है जो घटने से पहले ही अप्रासंगिक हो गई।

राजनीतिः बंगाल में हो क्या रहा है

फिलहाल, एक बार फिर बंगाली अस्मिता चर्चा में है। हाल के लोकसभा चुनाव परिणाम के विश्लेषण से पता चला कितृणमूल कांग्रेस का शहरी वोटबैंक खिसक रहा है, जिससे दीदी चिंतित हैं। कोलकाता नगर निगम के कुल 144 वार्डों में 47 पर भाजपा को बढ़त मिली है।पिछले नगर निगम चुनाव में 10 वार्डोंमें ही जीत मिली थी। कोलकाता और आसपास के इलाकों में विधानसभा की 28 सीटें हैं। राज्य के 60 प्रतिशत नगर निगमों व पालिकाओं में भाजपा की साफ बढ़त दिखी है। बंगाल में ऐसे कुल 125 निकाय हैं। 2021 में भाजपा 69 निकायों में आगे थी। उनका मानना है कि शहरों में बाहरी लोग बढ़ गए हैं, इसलिए उन्होंने 'हॉकर हटाओ' अभियान शुरू किया है।

भारत के कई क्षेत्रीय दल समय-समय पर राजनीतिक कारणों से क्षेत्रीय अस्मिता का खेल खेलते रहे हैं। महाराष्ट्र से शुरू हुआ कट्टर अस्मिता का जयगान कई राज्यों में होता रहा है। इसे राजनीतिक रोग व रणनीति, दोनों कह सकते हैं। रणनीति इसलिए, क्योंकि क्षेत्रीय अस्मिताजहरीला तत्व स्वत- नहीं पैदा करती। किसी राज्य के लोग अगर अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़े रहना चाहते हैं, तो यह अच्छी बात है। लेकिन भारत में किसी राज्य की सरकार यदि दूसरे राज्य के लोगों को बाहरी बताए, तो यह राष्ट्रीय अखंडता पर चोट ही है। फिलहाल, एक बार फिर बंगाली अस्मिता चर्चा में है। हाल के लोकसभा चुनाव परिणाम के विश्लेषण से पता चला कितृणमूल कांग्रेस का शहरी वोटबैंक खिसक रहा है, जिससे दीदी चिंतित हैं। कोलकाता नगर निगम के कुल 144 वार्डों में 47 पर भाजपा को बढ़त मिली है।पिछले नगर निगम चुनाव में 10 वार्डोंमें ही जीत मिली थी। कोलकाता और आसपास के इलाकों में विधानसभा की 28 सीटें हैं। राज्य के 60 प्रतिशत नगर निगमों व पालिकाओं में भाजपा की साफ बढ़त दिखी है। बंगाल में ऐसे कुल 125 निकाय हैं। 2021 में भाजपा 69 निकायों में आगे थी। उनका मानना है कि शहरों में बाहरी लोग बढ़ गए हैं, इसलिए उन्होंने 'हॉकर हटाओ' अभियान शुरू किया है। जबकि नवंबर, 1996 में वाममोर्चा सरकार के %ऑपरेशन सनशाइन% का हश्र वह देख चुकी हैं। उस समय उन्होंने खुद हॉकरों के पक्ष में फुटपाथ पर बैठकर आंदोलन किया था। असल में भ्रष्टाचार की वजह से शहरी वोटर ममता सरकार से नाराज हैं। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में राज्य, खासकर कोलकाता व उपनगरों का जनसांख्यिकी संतुलन बिगड़ने पर चिंता जताई। उन्हें लगता है कि कुछ समय बाद शहरी क्षेत्रों में बांग्ला बोलने वाले अल्पमत में आ जाएंगे। उनके मुताबिक, पैसे लेकर हॉकरों को फुटपाथों पर जगह दी जा रही है। उन्होंने कई विधायकों, मेयरों, नगरपालिका अध्यक्षों और पार्षदों के अलावा पुलिस प्रशासन के एक बड़े हिस्से को हफ्तावसूली जैसे भ्रष्टाचार में लिप्त माना। बताया जा रहा है कि पुलिस जैसे ही अपनी कार्रवाई के लिए कुछ संवेदनशील इलाकों की तरफ बढ़ी, तो दीदी ने ऑपरेशन रोक कर हॉकरों को एक महीने का समय दे दिया। सवाल उठता है कि 4-5 दिनों के अभियान में उजाड़े गएहॉकरों को एक महीने का समय क्यों नहीं दिया गया, जो इस मौसम में पुलों के नीचे या खुले में बाल-बच्चों को लेकर रह रहे हैं। इस पर राजनीति भी हो रही है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का आरोप है कि सिर्फहिंदू हॉकरों को ही हटाया जा रहा है। माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा, यूसुफ पठान वकीर्ति आजाद जैसे %बाहरी% लोगों को अपनी पार्टी के टिकट पर संसद भेजने वाली ममता का बाहरी राग मौजूं नहीं है। ममता को पता है कि कोलकाता ही नहीं, पूरे बंगाल का जनसांख्यिकी संतुलन किन समुदायों की घुसपैठ से बिगड़ रहा है। अगर उनका इशारा हिंदी भाषियों की ओर है, तो वह दौर अब सिर्फ लोकगीतों में ही दिखता है। अब तो नायिकाएं शायद यह गीत गाएंगी कि %पूरब न जइयो सैंया चाकरी नहीं है।% भ्रष्टाचार, बंद होते कारखानों व नया निवेश नहीं होने से पढ़े-लिखे बंगाली नौजवान रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख कर रहे हैं। कूचबिहार जिले के माथाभांगा में 25 जून को एम महिलाको नंगा कर इसलिए घुमाया गया कि वह भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे का सदस्य थी। इसी तरह, उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा में %शरिया अदालत% ने एक युवक-युवती को सरेआम पीटने का फरमान सुनाया। विधायक हमीदुर्रहमान के करीबी ताजेमुल नाम के तृणमूल कार्यकर्ता ने दोनों को चौराहे पर पीटा। हमीदुर्रहमान तो पीड़िता को ही 'दुष्ट जानवर' कह रहे हैं। सवाल यह है कि ममता पुलिस, प्रशासन और अपने कैडरों की मिलीभगत पर कब अंकुश लगाएंगी। शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार उजागर होने पर लगा कि ममता इस विभाग को पटरी पर लाएंगी, पर हाल ही में माध्यमिक शिक्षा परिषद के मुखिया नेबताया कि इस साल 41 हजार परीक्षार्थियों ने उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का आवेदन किया, जिसमें से 12,468 छात्रों के खातों में अंक जोड़ने की गलतियां पाई गईं। मूल्यांकन के बाद चार छात्रों के रैंक बदल गए। कहीं यह कारनामा नौकरी खरीदने वाले %मास्टर मोशाय% ने तो नहीं किया है इन पर कब बुलडोजर चलेगा।

देश में लागू हुआ नया कानून, घर बैठे ही दर्ज होगा मुकदमा

बलात्कार, बाल यौन शोषण जैसे मामलों में जांच और सुनवाई संबंधी सख्त नियम बनाए गए हैं। निस्संदेह, मामलों की जांच और सुनवाई में गति आएगी, तो लोगों को न्याय मिल सकेगा। मगर विपक्ष का कहना है कि इन कानूनों में कुछ ऐसी सख्त धाराएं बनाई गई हैं, जिनसे पुलिस को मनमानी का अधिकार मिलता और मानवाधिकारों के हनन का रास्ता खुलता है। खासकर आपराधिक कानूनों को लेकर व्यापक विरोध देखा जा रहा है। दरअसल, ये कानून विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी बहस के पारित हो गए थे, इसलिए इन पर विशद चर्चा नहीं हो पाई थी। इसलिए भी इनकी कई धाराओं को लेकर भ्रम और विवाद की गुंजाइश बनी हुई है।

सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे। नए तीनों कानून लागू हो गए। सरकार का कहना है कि इन कानूनों के जरिए न्याय सुनिश्चित होगा, पुराने कानूनों का बल दंड पर अधिक था। नए कानूनों से आधुनिक प्रणाली स्थापित होगी। इनमें अब घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने, शून्य प्रथमिकी के तहत किसी भी थाने में शिकायत दर्ज कराने जैसी सहूलियतें दी गई हैं, जिससे लोगों का समय बचेगा और त्वरित कार्रवाई हो सकेगी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अदालतों को भी तय समय के भीतर फैसला सुनाने की बाध्यता होगी। बलात्कार, बाल यौन शोषण जैसे मामलों में जांच और सुनवाई संबंधी सख्त नियम बनाए गए हैं। निस्संदेह, मामलों की जांच और सुनवाई में गति आएगी, तो लोगों को न्याय मिल सकेगा। मगर विपक्ष का कहना है कि इन कानूनों में कुछ ऐसी सख्त धाराएं बनाई गई हैं, जिनसे पुलिस को मनमानी का अधिकार मिलता और मानवाधिकारों के हनन का रास्ता खुलता है। खासकर आपराधिक कानूनों को लेकर व्यापक विरोध देखा जा रहा है। दरअसल, ये कानून विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी बहस के पारित हो गए थे, इसलिए इन पर विशद चर्चा नहीं हो पाई थी। इसलिए भी इनकी कई धाराओं को लेकर भ्रम और विवाद की गुंजाइश बनी हुई है। सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे। हालांकि ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि सारे कानून ब्रिटिश राज के समय से जस के तस चले आ रहे थे। उनमें समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं, जिन कानूनों की प्रासंगिकता नहीं रह गई थी, उन्हें समाप्त भी किया गया। मगर फिर भी बहुत सारे कानून बदली स्थितियों से मेल नहीं खाते थे। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह अपराधों की प्रकृति बदली और देश की अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं, आतंकवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है, उसमें कुछ सख्त कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर आपराधिक कानून बनाते समय यह ध्यान रखना भी जरूरी होता है कि उनका दुरुपयोग न होने पाए, उनके चलते सामान्य नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। औपनिवेशिक समय के राजद्रोह कानून की जगह देशद्रोह कानून लाने की इसीलिए सबसे अधिक आलोचना हो रही है कि उससे लोगों में नागरिक अधिकारों के हनन का भय अधिक पैदा होता है। हालांकि हर नए कानून के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा तो होती ही है, होनी भी चाहिए, मगर उन पर आम सहमति बने बिना लागू किए जाने से विवाद और नाहक भय का वातावरण बनता है।

जब तक आम नागरिकों में इन कानूनों को लेकर भरोसा नहीं बनेगा, विरोध के स्वर उठते रहेंगे। जब ये कानून संसद में पारित हुए थे, तब उसके एक हिस्से को लेकर ट्रक चालकों ने देशव्यापी हड़ताल की थी। अब कई जगह खुद वकील इनके विरोध में उतरने वाले हैं। कुछ राज्यों ने इनके विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी है। संसद में विपक्ष तो हमलावर है ही। अगर सचमुच कुछ कानूनों की वजह से समाज में व्यवस्था के बजाय अव्यवस्था पैदा होती है, तो यह किसी भी तरह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं होगी। सरकार को यह भरोसा दिलाना होगा कि ये कानून वास्तव में लोगों के लोकतांत्रिक और मानवीय अधिकारों की रक्षा करने वाले हैं।

टीम इंडिया टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे रवाना

यशस्वी, सैमसन और शिवम बारबाडोस से लौटकर शामिल होंगे

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया मंगलवार की सुबह मुंबई से रवाना हुई। भारत को जिम्बाब्वे दौरे पर पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 6 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा।

बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप के बीच जिम्बाब्वे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। टीम का कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। टी-20 वर्ल्ड कप खेलने गई टीम के कुछ खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं। हालांकि, वह इस वक्त बारबाडोस में तूफान की वजह से फंसे हैं, लेकिन बाकी जो खिलाड़ी भारत में ही थे वह हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण (सिर्फ इस टूर के लिए) के साथ जिम्बाब्वे के लिए रवाना हो गए।

बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर टीम की रवाना होने की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं। बारबाडोस में फंसे खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन शामिल हैं। ये खिलाड़ी भारत आने के बाद जिम्बाब्वे जाएंगे। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया के कुछ प्लेयर्स को जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी जाना है, लेकिन बारबाडोस में आए तूफान के कारण टीम वहां फंस गई है। इसलिए बीसीसीआई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले 2 टी-20 के लिए 3 नए प्लेयर्स को रिप्लेसमेंट के तौर पर भेजा है। ओपनर साई सुदर्शन , विकेटकीपर जितेश शर्मा और पेसर हर्षित राणा को संजू सैमसन, शिवम दुबे और यशश्वी जायसवाल के रिप्लेसमेंट के लिए चुना गया है।

जिम्बाब्वे की टीम भारत से टी-20 सीरीज अब तक नहीं जीत सकी है। दोनों के बीच अब तक 3 द्विपक्षीय सीरीज खेली गई हैं और तीनों ही भारतीय टीम ने जीती हैं।

आखिरी बार 2022 में किया था दौरा

भारतीय टीम ने 2022 में आखिरी बार जिम्बाब्वे का दौरा किया था। इस दौरान टीम ने 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली थी। टीम ने तीनों मैच जीतकर सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया था। आखिरी टी-20 सीरीज भारत ने जिम्बाब्वे ने 2016 में खेली थी, जहां टीम इंडिया 2-1 से जीती थी।

टी20 वर्ल्डकप : इस हार को सहन करना वाकई मुश्किल है - डेविड मिलर

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका और भारत की जीत के बीच डेविड मिलर खड़े थे। वे अगर आखिरी गेंद तक टिकते तो शायद टीम को जीत दिला सकते थे, लेकिन भारत ने बाजी मारी। मिलर आखिरी ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़ने के चक्कर में बाउंड्री लाइन पर सूर्यकुमार यादव के एक असाधारण कैच के चलते आउट हो गए। आखिरी ओवर में जीत के लिए 16 रनों की दरकार साउथ अफ्रीका को थी। इसी वजह से डेविड मिलर ने पहली गेंद पर अटैक करना सही समझा और गेंद भी फुलटॉस थी तो वे इसे चूकना नहीं चाहते थे। हालांकि, कई बार जैसा आप सोचते हो वैसा होता नहीं है। इसी वजह से डेविड मिलर दुखी हैं और उनका कहना है कि इस हार को सहन करना वाकई मुश्किल है।

डेविड मिलर ने इंस्टा स्टोरी में अपनी टीम की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, मैं बहुत दुखी हूं 2 दिन पहले जो कुछ हुआ, उसे सहना वाकई बहुत मुश्किल है। मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। एक बात मैं जानता हूं कि मुझे इस यूनिट पर कितना गर्व है। यह यात्रा अविश्वसनीय थी, जिसमें पूरे महीने उतार-चढ़ाव आए। हमने दर्द सहा है, लेकिन मुझे पता है कि इस टीम में लचीलापन है और यह आगे भी अपना स्तर ऊंचा उठाएगी। एक अन्य स्टोरी में मिलर ने अपनी पार्टनर को लेकर लिखा, मैं तुमसे और तुम जो कुछ भी हो उससे प्यार करता हूं। यह एक खास महीना रहा है और आगे भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा। हर मुश्किल समय में मेरा साथ देने के लिए शुक्रिया एमिलिया हैरिस मिलर।

टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मुकाबले की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी और 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए थे। विराट कोहली ने 76 और अक्षर पटेल ने 47 रनों की पारी खेली थी। 2-2 विकेट एनरिक नॉर्खिया और केशव महाराज को मिले। वहीं, जब साउथ अफ्रीका की टीम 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 169 रनों तक ही पहुंच पाई। टीम के 8 विकेट भी गिरे। हेनरिक क्लासेन ने 27 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली और मैच में जान डाली, लेकिन उनकी ये पारी काम नहीं आई। डेविड मिलर 21 रन बनाकर आउट हुए।

बांग्लादेशी पेसर तस्कीन ने माफी मांगी, भारत के खिलाफ मैच में बस छूटी, देरी से पहुंचे स्टेडियम

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज और टी-20 इंटरनेशनल टीम के उप-कप्तान तस्कीन अहमद ने माफी मांगी है। भारत के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर 8 मुकाबले में उनकी टीम बस छूट गई थी। वे देर से स्टेडियम पहुंचे थे और फिर कोच ने उन्हें टीम में शामिल नहीं किया था।

मतभेद के सवाल पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी ने कहा, अगर कोच या खिलाड़ी के बीच में को मतभेद होता तो तस्कीन अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में कैसे खेलते हैं। तस्कीन समय पर नहीं उठ पाने के चलते लेट हुए। उन्होंने खिलाड़ियों और बाकी सब से माफी मांगी थी।

तस्कीन के ना खेलने पर शॉक थे बांग्लादेशी फैंस

ग्राउंड पर मौजूद बहुत सारे बांग्लादेशी फैंस ने उम्मीद लगा कर रखी थी कि तस्कीन आज के मैच में शानदार गेंदबाजी करके मैच में जीत दिलाएंगे। कप्तान नजमुल होसैन शान्तो टॉस के समय बताया कि तस्कीन आज के मैच में नहीं खेल रहे हैं तो बांग्लादेशी फैंस शॉक्ड रह गए थे।

भारत के खिलाफ 2 पेसर के साथ उतरी थी टीम

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर क्रिकबज को बताया, सही समय पर नींद से ना उठ पाने के चलते तस्कीन से टीम बस छूट गई थी। बता दें तस्कीन को भारत के खिलाफ हुए सुपर 8 मैच में प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी। मैनेजमैंट ने चौंकाते हुए इस मैच में सिर्फ दो तेज गेंदबाजों को शामिल किया था।

तस्कीन फोन नहीं उठा रहे थे

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेशी पेसर तस्कीन मैच की सुबह फोन नहीं उठा रहे थे। जिसके बाद हेड कोच चंडिका हथुरूसिंघा ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में नहीं चुनने का फैसला किया, हालांकि बांग्लादेशी बोर्ड के अधिकारी इससे सहमत नहीं थे। बांग्लादेश बोर्ड के अधिकारी ने कहा, ÷यह सच बात है कि तस्कीन टीम बस छूटने के कारण बाद में टीम से जुड़े थे। लेकिन वह खेले क्यों नहीं, ये बात सिर्फ कोच बता सकते हैं। वहां भारत के खिलाफ मैच में टीम के प्लान का हिस्सा थे या नहीं, इसका जवाब सिर्फ हेच कोच दे सकते हैं।

विम्बलडन में ओसाका का जीत से आगाज, तीन साल बाद वापसी

नई दिल्ली। विम्बलडन का पहला राउंड सोमवार से शुरू हो गया। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने जीत से शुरुआत की। तीन साल बाद इस ग्रैंड स्लैम में खेलने उतरी ओसाका ने पहले राउंड के मुकाबले में फ्रांस की डाबने पैरी को तीन सेट में 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसका ने एक घंटे 32 मिनट में मुकाबला जीता। उनकी विम्बलडन में यह 2018 के बाद पहली जीत है।

वहीं स्पेन के माजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम शानदार शुरुआत की। अल्कारेज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया। तीन हफ्ते पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्कारेज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था।

मेदवेदेव और रूड भी आगे बढ़े

मेंस सिंगल्स के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने एलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पहले ही दौरे में हारे सुमित नागल

सुमित नागल विम्बलडन में पहली बार खेलने उतरे थे। नागल को दो घंटे 38 मिनट तक की कड़ी मेहनत के बाद 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

बाबर किसी भी इंटरनेशनल टीम में खेलने के लायक नही - शोएब

नई दिल्ली। शोएब मलिक ने पाकिस्तान के बेस्ट प्लेयर माने जाने वाले बाबर आजम किसी भी इंटरनेशनल टीम में खेलने के लायक नहीं हैं और नेपाल की टीम भी उन्हें नहीं चुनेगी। बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान की टीम पहली बार किसी टी20 वर्ल्ड कप के पहले ही दौर से बाहर हुई है। शोएब मलिक का एक वीडियो इस समय जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें वह बाबर आजम को जमकर लताड़ लगे हैं। मलिक ने कहा, हमारा बेस्ट प्लेयर कौन है? बाबर आजम। मैं सिर्फ टॉप की चार-पांच टीम हैं उनकी बात कर रहा हूं। अगर उनकी प्लेइंग-11 की बात करें तो क्या बाबर उनमें फिट हो सकते हैं? क्या बाबर ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 में फिट हो सकते हैं? या इंडिया की या इंग्लैंड की टीम में बाबर फिट हो सकते हैं, सिर्फ इस (टी20) फॉर्मेट में। नहीं।

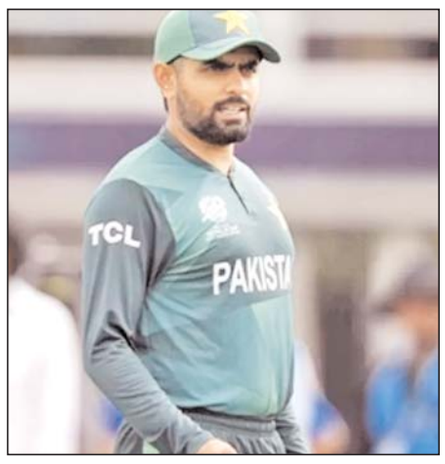

व्यापार

सेंसेक्स ने 79,855 और निफ्टी ने 24,236 का हाई बनाया इसके बाद सेंसेक्स 34 अंक गिरकर 79,441 पर बंद

नई दिल्ली। शेयर बाजार ने 2 जुलाई को ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,855 और निफ्टी ने 24,236 का लेवल छुआ। हालांकि इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 34 अंक की गिरावट के साथ 79,441 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी में भी 18 अंक की गिरावट रही। ये 24,123 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और 12 में तेजी देखने को मिल रही है। बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। वहीं आईटी, एनर्जी और फार्मा शेयर्स में तेजी देखने को मिली है। एनएसई के सेक्टोरियल इंडेक्स में पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा 1.81 प्रतिशत की गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी बैंक में 0.77 प्रतिश्ता और ऑटो में 0.76 प्रतिशत की

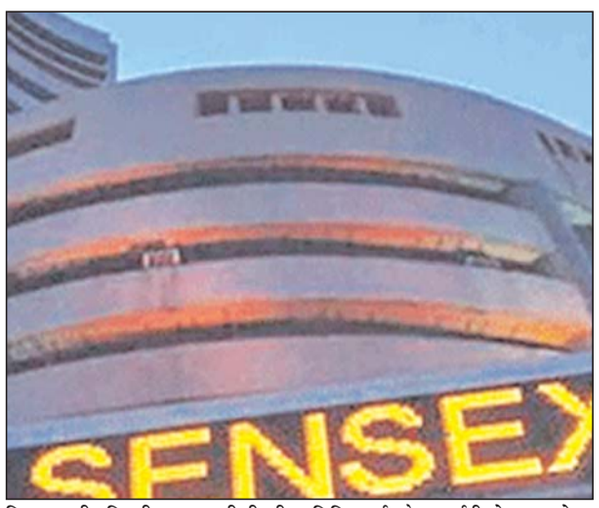

गिरावट रही। निफ्टी, एफएमसीजी भी 0.85 प्रतिशत फिसला है। वहीं निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.17 प्रतिशत की तेजी रही। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के आईपीओ का शेयर आज बाजार में 13 प्रतिशत ऊपर लिस्ट हुआ। बीएसई पर इसका शेयर 13.20 प्रतिशत (37.10 रुपए) 318.10 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं एनएसई पर 13.88 प्रतिशत (39 रुपए) ऊपर 320 रुपए पर लिस्ट हुआ।

इसका इश्यू प्राइस 281 रुपए था। इसका आईपीओ 24.85 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रीटेल कैटेगरी में यह आईपीओ 4.73 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स में 53.01 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटगरी में 34.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था।इससे पहले कल, यानी 1 जुलाई को, शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 443 अंक की तेजी के साथ 79,476 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 131 अंक की तेजी रही। ये 24,141 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयरों में तेजी और 11 में गिरावट रही थी।

बिजली की खपत में जबरदस्त उछाल, साल 2031-32 तक 400 जीडबलू के पार पहुंच सकती है डिमांड

नई दिल्ली। देश में बिजली खपत में शानदार तेजी देखने को मिली है। देश में बढ़ रहे बिजली खपत को लेकर ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि साल 2031- 32 तक 400 जीडबलू (गीगावॉट) के पार पहुंच सकता है।

पंकज अग्रवाल सीआईआई-स्मार्ट मिटरिंग कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि इस साल मई में पावर डिमांड 250 जीडबलू के पार पहुंच गई थी।

पंकज अग्रवाल ने कहा कि पिछले दो साल में कई राज्यों में पावर डिमांड बढ़ गया है। बिजली की खपत में लगातार तेजी ने 384 जीडबलू को छू लिया है और अगर आगे भी इतनी तेजी

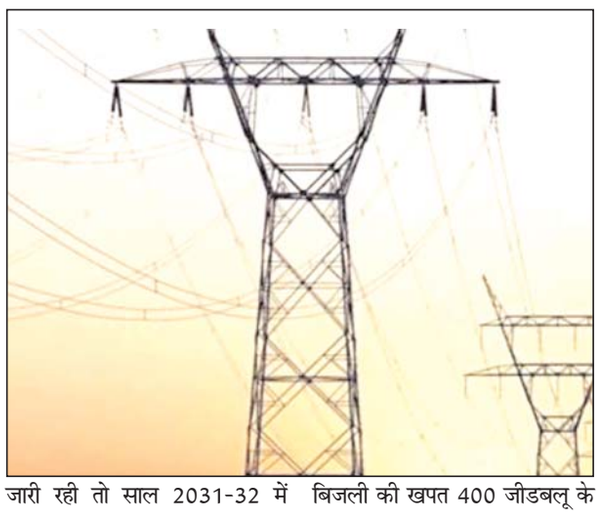

जारी रही तो साल 2031-32 में बिजली की खपत 400 जीडबलू के पार पहुंच सकती है। इतनी बिजली खपत के लिए हमें पावर जनरेशन इंस्टॉल करना होगा जिसकी मदद से 900 जीडबलू बिजली का उत्पादन हो। इस वर्ष की अधिकतम बिजली मांग का सरकारी अनुमान 260 गीगावॉट था। ऊर्जा सचिव ने कहा कि अनुमानित 260 गीगावॉट अधिकतम मांग सितंबर तक पहुंचने की उम्मीद है।

देश में मानसून की शुरुआत हो गई है। मानसून की शुरुआत में बिजली की अधिकतम मांग में गिरावट देखने को मिली है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस हफ्ते सोमवार को बिजली की अधिकतम मांग 209 गीगावॉट थी।

त्योहारी सीजन से पहले पाम ऑयल की भारी डिमांड

नई दिल्ली। रिफाइनरियों की ओर से ज्यादा मांग और कीमतों में कमी के चलते जून में देश का पाम तेल आयात तीन प्रतिशत बढ़कर छह महीने के उच्च स्तर पर रहा है। उद्योग से जुड़े डीलर्स के अनुसार, जून में पाम तेल का आयात 7.88 लाख टन रहने का अनुमान है। यह दिसंबर 2023 के बाद से सबसे ज्यादा आयात है।

त्योहारी सीजन के चलते बढ़ी खरीदारी

वनस्पति तेल का कारोबार करने वाले सनविन समूह के सीईओ संदीप बाजोरिया का कहना है कि आगामी त्योहारी सीजन में बढ़ने वाली मांग को देखते हुए पाम तेल की ज्यादा खरीदारी की जा रही है। इसके अलावा, पाम तेल अन्य खाद्य तेलों के मुकाबले प्रति टन 80 डालर सस्ता बना हुआ है। इस कारण यह ज्यादा आकर्षित कर रहा है। बाजोरिया का कहना है कि जुलाई में

पाम तेल का आयात 8.50 लाख टन पर पहुंच सकता है। इस समय भारत कच्चा पाम तेल 985 डालर प्रति टन आयात कर रहा है। डीलरों ने बताया कि जून में भारत का सूरजमुखी तेल आयात एक महीने पहले की तुलना में 14 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 467,000 टन पर पहुंच गया। खाद्य तेल व्यापारी और ब्रोकर जीजीएन रिसर्च के प्रबंध भागीदार राजेश पटेल ने बताया कि जून में सूरजमुखी तेल का आयात 500,000 टन से अधिक हो सकता था, लेकिन कुछ जहाज महीने के अंत से पहले बंदरगाहों पर नहीं पहुंच पाए।

सोया तेल का आयात 16 फीसदी घटा

डीलरों के मुताबिक, जून में सोया तेल का आयात 16 फीसदी घटकर 273,000 टन रह गया। इंडस्ट्री बॉडी सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया जून के आयात पर अपना डेटा जुलाई के मध्य तक जारी कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाम ऑयल और सूरजमुखी तेल के अधिक आयात से देश का खाद्य तेल आयात 2 फीसदी बढ़कर 1.53 मिलियन टन हो गया। यह 10 महीनों में सबसे अधिक है।

भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड से पाम ऑयल खरीदता है। वहीं, अर्जेंटीना, ब्राजील, रूस और यूक्रेन से सोया ऑयल और सूरजमुखी तेल का आयात करता है।

अंबानी परिवार का शादी समारोह

मुंबई। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के शादी की रस्मों की शुरुआत गरीब कन्याओं के सामूहिक विवाह से हुई। वंचित परिवारों से जुड़े 50 से अधिक जोड़े मुंबई से कोई 100 किलोमीटर दूर पालघर से आए थे। सामूहिक विवाह का आयोजन रिलायंस कॉरपोरेट पार्क में किया गया। इस सामूहिक विवाह में वर व वधू पक्ष के करीब 800 लोग शरीक हुए। इस मौके पर अंबानी परिवार ने ऐसे कई सामूहिक विवाह करवाने का संकल्प लिया। सामूहिक विवाह के अवसर पर नीता अंबानी व मुकेश अंबानी अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल हुए। नव विवाहितों को अंबानी परिवार ने शुभकामनाएं दी।

अंबानी परिवार की ओर से प्रत्येक जोड़े को मंगलसूत्र, शादी की अंगूठी और नाक की लोंग सहित सोने-चांदी के कई आभूषण भेंट किए। इसके अलावा, प्रत्येक दुल्हन को स्त्रीधन के रूप में 1 लाख 1

हजार रुपये का चेक भी दिया गया। प्रत्येक जोड़े को एक वर्ष के लिए पर्याप्त किराने और घरेलू सामान भी उपहार में दिए गए, जिसमें 36 प्रकार की आवश्यक वस्तुएं जैसे बर्तन, गैस स्टोव, मिक्सर, गद्दे, तकिए आदि शामिल थे। सामूहिक विवाह में उपस्थित लोगों के लिए एक भव्य भोज का आयोजन भी किया गया। शाम को हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में वारली जनजाति द्वारा पारंपरिक तरपा नृत्य प्रस्तुत किया गया।बताते चलें कि अंबानी परिवार हर बड़े पारिवारिक कार्यक्रम की शुरुआत मानव सेवा से करता है। पहले भी परिवार में शादियों के अवसर पर, अंबानी परिवार ने आस-पास के समुदायों और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर लोगों के लिए भोजन सेवा या अन्न सेवा चलाई थी।

चम्बल संभागायुक्त ने जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। चम्बल भवन मुरैना में चम्बल संभागायुक्त संजीव कुमार झा मंगलवार

को जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में 10 आवेदकों ने सीधे पहुंचकर अपनी समस्याएं बताई। आयुक्त श्री झा ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनकर निराकरण किया।

जनसुनवाई में गरीबी रेखा की सूची में नाम जुड़वाने, राशन कार्ड बनवाने, आयुष्मान कार्ड बनवाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलवाने, जमीन का पट्टा दिलाने, आवास एवं पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाने, निजी भूमि से कब्जा हटवाने, नामांतरण और सीमांकन से सबंधित थे। आयुक्त ने जनसुनवाई में आये आवेदकों से उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने सबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

जिनमें महावीर पुरा के भोगीराम, कैलारस के बद्री प्रसाद जाटव, हटीपुरा के रामजीलाल, सबलगढ़ तहसील के ग्राम तिलोंजरी की श्रीमती रामदेवी, मौजा रजौधा के बैंजती देवी, कुतधान निवासी धर्मसिंह, तिलोंजरी के जगदीश प्रसाद,मुरैना के पूरन सिंह तोमर, जौरा के लाली कुशवाह और धीरेन्द्र पचौरी ने अपने विभिन्न प्रकार की समस्याओं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किये। जिनका समाधान करने का आश्वासन दिया गया।

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में जनपद मुरैना, जौरा और पहाड़गढ़ को मिला ''ए'' ग्रेड

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (181) में दर्ज शिकायतों का मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मुरैना महावीर जाटव, जौरा के कुलदीप श्रीवास्तव और पहाड़गढ़ के रामपाल करजरे द्वारा व्यक्तिगत रूचि लेते हुये निराकरण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के अनुश्रवण एवं निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये मुरैना जनपद में माह मई 2024 में 54.3 प्रतिशत संतुष्टि वेटेज एवं 88.5 प्रतिशत, जौरा जनपद में 50.7 प्रतिशत संतुष्टि वेटेज़ एवं 87.2 प्रतिशत और पहाडगढ़ जनपद में 55.69 प्रतिशत संतुष्टि वेटेज 89.4 प्रतिशत कुल वेटेज के साथ ÷ए÷ ग्रेड प्राप्त कर प्रदेश स्तर पर अच्छा स्थान प्राप्त कियें है।

अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने विभाग की ओर से जनपद सीईओ मुरैना, जौरा और पहाडगढ़ में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का कार्य कर रहे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुये उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने प्रशंसा पत्र जारी करते हुये कहा है कि भविष्य में भी सभी इसी निष्ठा एवं समर्पण भावना से आमजन की सेवा निष्पादन में सी.एम. हेल्पलाइन (181) में प्राप्त शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराते रहेंगे।

आरटीओ और यातायात विभाग ने चलाया वाहन चैकिंग अभियान

मोटरयान अधिनियम की धारा का उल्लंघन करने पर 14 स्कूली वाहनों को किया जप्त

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार और यातायात विभाग ने मुरैना जिले में संचालित स्कूल वाहनों की जाँच के लिये चैकिंग पॉइंट अभियान चलाया गया। इस अवसर पर यातायात थाना प्रभारी संतोष भदौरिया सहित आरटीओ एवं यातायात विभाग के अन्य स्टाफ मौजूद थे।

संयुक्त चैकिंग अभियान में 67 से अधिक वाहनों को चैक किया गया। जिसमें मोटरयान अधिनियम की धारा का उल्लंघन करने पर 14 स्कूली वाहनों को जप्त कर सुरक्षार्थ थाना यातायात एवं जौरा थाने में रखवाया गया। यह कार्यवाही मुरैना गाँव जौरा रोड़, आगरा-मुम्बई मार्ग पर की गई। जिन स्कूली वाहनों को जप्त किया गया, उनमें एमपी-06-टीए-1094, एमपी-07-बीए-2763, एमपी-30-बीसी-0697, एमपी-06-पी-0576, एमपी-06-जेडएफ-0658, एमपी-06-टीए-0711, एमपी-06-बीए-1361, आर जे-06-पीबी-1055, एमपी-06-टीए-0394, एमपी-06-टीए-0870, एमपी-06-बीए-1337, एमपी-06-टीए-0758, एमपी-06-पी-0285 और एमपी-06-टीए-1187 वाहनों से लगभग 122000 रूपये का राजस्व प्राप्ति की संभावना है। कार्यवाही के दौरान लापरवाही पूर्ण एवं तीव्र गति से वाहन संचालन करने पर वाहन चालक देवेन्द्र सिंह यादव एवं मुकेश कुमार प्रजापति स्कूल वाहन चालकों के ड्रायविंग लायसेंस निलंबित किये है।

शहरी स्वास्थ्य सामान्य समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में 02 जुलाई, मंगलवार को प्रथम शहरी स्वास्थ्य सामान्य समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य शहरी गरीबों और वंचितों के लिए स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और आजीविका विकल्पों को मजबूत करने के लिए अंतर्विभागीय समन्वय, योजना निमार्ण एवं क्रियान्वयन को सुगम बनाने के लिये शहरी स्वास्थ्य सामान्य समन्वय समिति का गठन करना था। साथ ही स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और आजीविका से जुड़े मुद्दों पर विचार विमर्श कर उनका हल निकालना था।

बैठक में सर्वसम्मती से आयुक्त नगर निगम एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को संयुक्त अध्यक्ष एवं शहरी स्वास्थ्य नोडल अधिकारी को संयोजक नियुक्त

किया गया। समस्त विभाग के अधिकारियों, फोग्सी, आई.एम.ए. के प्रतिनिधि एवं स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश शर्मा ने की। बैठक का संचालन मैनेजर पी.एस.आई. इण्डिया पंकज राव जाधव ने किया। उनके द्वारा समिति की पृष्ठभूमि एवं संदर्भ, समिति के उद्देश्य, समिति की संरचना, समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य, समिति की भूमिका एवं उत्तरदायित्व तथा विभिन्न विभागों से अपेक्षाओं संबंधि प्रस्तुति दी। उसके उपरान्त सहायक कार्यक्रम प्रबंधक (शहरी) अशोक भगौरिया ने शहरी स्वास्थ्य संस्थाओं एवं प्रदान की जा रही सेवाओं पर प्रस्तुति दी। अगले सत्र में डॉ. चन्द्रकांत दुबे एवं महेश गर्ग ने परिवार नियोजन पखवाड़ा एवं विभिन्न स्वास्थ्य पोर्टलों पर जानकारी दी। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी, जनसंपर्क, नगर निगम के सिटी मैनेजर, स्वास्थ्य अधिकारी, विद्युत विभाग से डी.जी.एम., पी.एच.ई से ए.ई. डब्ल्यू.सी.डी. से प्रभारी परियोजना अधिकारी, शिक्षा विभाग से योजना अधिकारी, डब्लू. एच.ओ. प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्था धरती फाउण्डेशन से देवेन्द्र सिंह भदौरिया, एवीडेन्स एक्शन से रजनिश सक्सेना, एनआई से मिर्जा रफीक बेग, अन्तरा फाउण्डेशन से शैली दत्ता उपस्थित रहे।

सड़क की उंचाई अधिक, गांव में भरा गंदा पानी

जिपं अध्यक्ष ने महाप्रबंधक एमपीआरडीसी से की हस्तक्षेप की मांग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सड़क की उंचाई अधिक होने से घरों से निकलने वाला गंदा पानी बृजगढ़ी गांव में भर रहा है, जिससे ग्रामीणों को बारिश के इस सीजन में आने-जाने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। जीएम को लिखे पत्र में अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने उल्लेख किया है कि एमपीआरडीसी द्वारा तैयार कराई गई नैपरी बृजगढ़ी रोड, बृजगढ़ी गांव से होकर गुजरी है। सड़क की उंचाई अधिक होने के कारण घरों का गंदा पानी गांवों की गलियों में भर रहा है, जिससे लोगों को आने-जाने में काफी

असुविधाएं उठानी पड़ रही हैं। रोड बनाने के दौरान विभाग द्वारा नाला निर्माण का ख्याल नहीं रखा। नतीजा जल भराव की समस्या विकराल रूप होती जा रही है। गंदा पानी गांव में एकत्रित होने से संक्रामक बीमारियां बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। घरों से निकलने वाले गंदे पानी के साथ बारिश का पानी भी ग्रामीणों की परेशानी का सबब बन रहा है। अगर समय रहते गंदे पानी के निकास की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई तो यह समस्या गंभीर रूप धारण कर सकती है। श्रीमती गुर्जर ने महाप्रबंधक से बृजगढ़ी गांव में जल भराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए नाला निर्माण कराए जाने की मांग की है।

आक्रोशित लोगों ने जलाया राहुल गांधी का पुतला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। राहुल गांधी द्वारा संसद मे हिन्दू धर्म का अपमान किया गया उसके विरोध मे सम्पूर्ण देश में आक्रोश है। इसी निमित हनुमान चौराहे पर पुतला दहन और प्रदर्शन किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि हिन्दू विरोधी राहुल गांधी द्वारा हिन्दू धर्म को हिंसक, नफरती, झूठ बोलने वाला कह हिन्दू धर्म को अपमानित किया है। संसद में जिम्मेदार, महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोगों द्वारा हिंदुत्व को हिंसा से जोड़ना अत्यंत दुर्भाग्यजनक है। हिंदुत्व चाहे विवेकानंद का हो या महात्मा गांधी का वह सौहार्द व बंधुत्व का परिचायक है। हिंदुत्व के बारें में

ऐसी प्रतिक्रिया ठीक नहीं है। लाखों सिक्खों के खून बहने वाले परिवार का व्यक्ति हिन्दू धर्म को हिंसक कह रहे हैं। प्रेम, भक्ति सद्भावना वाले हिन्दू धर्म को नफरती, हिंसक कहना राहुल गांधी की बहुसंख्यक हिन्दुओं के प्रति घृणित भावना है। हिन्दू समाज को अब राहुल गांधी को राहुल जिहादी कहना शुरू कर दे।

इस प्रदर्शन में बालकृष्ण शर्मा, कमल दुबे, धर्मेंद्र शर्मा, रमाकांत मिश्रा, आशुतोष पाराशर, सुनील सिकरवार, दीदी रेनू शिवहरे, दीदी चांदनी सिकरवार, शैलेन्द्र डंडोतिया, तरुण वर्मा, रितिक गोयल, उमाशंकर शर्मा, विक्की अग्रवाल, रामवीर खटीक, देवेन्द्र मुदगल, मनोज परमार, सोनू सिकरवार एवं जिले के सैकड़ों

ऑफिस लेट आने वाले 32 कर्मचारियों को नोटिस जारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विगत दिवसकलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं का सुबह 10:20 बजे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले और अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने आकस्मिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान 32 कर्मचारी ऑफिस विलंब से पहुंचे। उन्हें नोटिस जारी किये गये है। विदित है कि कार्यालय में विभिन्न कर्मचारी 10:30 बजे तक कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए, जबकि शासन के निर्देशानुसार सभी कर्मचारियों को अपने कर्तव्य पर सुबह 10 बजे तक उपस्थित होना था।

समय पर कार्यालय में उपस्थित न होने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। जिनमें आदिराम कोरकू, आशाराम शर्मा, प्रदीप कुमार जैन, अनिल कुमार शर्मा, चेतन जायसवाल, खुशेन्द्र उपाध्याय, देवेन्द्र यादव, अरूण दोदेरिया, संगीता सरल, पुरुषोत्तम शर्मा, हिदेश पंवार, योगेन्द्र सिंह रामपुरे, मीरा तोमर, आरती मोर्य, कृष्णकांत शर्मा, जुबेर खॉन, हाकिम सिंह कोरव, राहुल शर्मा, अभिशेक, हर्ष चौधरी, दीनानाथ कश्यप, धर्मेन्द्र कश्यप, मनमीत वर्मा, लफूरी सिंह, सूरज कश्यप, रोशन लाल, राहुल शर्मा, मुन्ना सिंह भदोरिया, बृजेश माहोर, अर्जुन प्रजापति एवं दीपक माहोर समय पर उपस्थित नहीं हुए। इन सभी कर्मचारियों को कार्यालय समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिये गये हैं।

युवा मोर्चा ने जलाया राहुल गांधी का पुतला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला मुरैना द्वारा आज हनुमान चौराहा मुरैना पर हिंदुत्व विरोधी बयान देने वाले हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाकर उन्हें हिंसक कहने वाले कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का पुतला दहन भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सोनू परमार के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.योगेशपाल गुप्ता, पूर्व मंत्री मुंशीलाल खटीक, प्रदेश उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा हमीर सिंह पटेल, पूर्व सभापति नगर निगम अनिल गोयल, भाजपा जिला उपाध्यक्षद्वय कमलेश कुशवाह, संजय शर्मा, वरिष्ठ नेता अरविंद भदोरिया, भाजपा मंडल अध्यक्षगण दिलीप मिश्रा, अनूप जैन, सोनू शर्मा, भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी दिलीप दंडोतिया, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पिप्पल, युवा मोर्चा उपाध्यक्षगण चंद्रपाल सिकरवार, गोविंद उपाध्याय, किशोर शर्मा, वरिष्ठ नेता राकेश खटीक, वरिष्ठ नेता हरिप्रसाद खटीक, नगर निगम पार्षद युवराज दंडोतिया, जिला मंत्री युवा मोर्चा सजल दंडोतिया, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्षगण पवन तोमर, भूपेंद्र गुर्जर, आशीष तोमर, राजवीर गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर नायब तहसीलदार ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जीवाजी यूनिवर्सिटी द्वारा महाविद्यालयों में बीए, बीएससी, बीकॉम की परीक्षायें संचालित की जा रही है। परीक्षाओं में अनुचित साधन का प्रयोग न हो, इसके लिये कलेक्टर अंकित अस्थाना ने अपने-अपने क्षेत्र के महाविद्यालयों का निरीक्षण करने के निर्देश तहसीलदारों को दिये।

निर्देशों के तहत 02 जुलाई, मंगलवार को नायब तहसीलदार मुरैना सुश्री ज्योति लाक्षाकार ने 03 कॉलेजों का निरीक्षण किया। जिसमें टीएसएस कॉलेज, ऋषि गालव और एनएस कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये है कि केन्द्राध्यक्ष परीक्षायें स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न हो। परीक्षाओं में अनुचित साधन का प्रयोग न हो।

इनरव्हील क्लब ने किया महिला चिकित्सकों का सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विगत दिवस इनरव्हील क्लब मुरैना की नवीन कार्यकारिणी गठित हो गई। नवीन कार्यकारिणी ने पहला कार्यक्रम राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर महिला चिकित्सकों का सम्मान करते हुए मनाया। इनरव्हील क्लब की चिकित्सक महिला सदस्यों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुधा माहेश्वरी, डॉ. हेमा सिंघल, डॉ. रितु राठी, डॉ. अनुभा माहेश्वरी का फूल माला पहनाकर सम्मान किया।

आपको यहां बता दें कि इनरव्हील क्लब मुरैना की नए सत्र की नवीन कार्यकारिणी का गठन विगत दिवस हुआ। जिसके तहत एक आभार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें पुराने सत्र की अध्यक्ष पूजा मोदी ने सहयोग के लिए सीनियर मेंबर्स और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। नए सत्र की अध्यक्ष डॉ. नीरज गुप्ता, सचिव प्रतीक्षा बांदिल, कोशाध्यक्ष मीनाक्षी माहेश्वरी, आईएसओ साक्षी गोयल और क्लब कॉर्डिनेटर राधिका माहेष्वरी का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों को गिफ्ट हैंपर बांटे गए।

विद्युत समस्या को लेकर विधायक दिनेश गुर्जर ने विधानसभा में रखा पक्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विगत दिनों भोपाल में चल रही विधानसभा में ध्यान आकर्षण के माध्यम से मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर ने मुरैना विधानसभा क्षेत्र की जनता की बिजली की समस्याओं को लेकर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि बिजली के तारों को ऊंचा किया जाए, घरों के पास से बिजली की हाईटेंशन लाइन निकली है उसे फ्री में हटाकर किसी अन्य जगह शिफ्ट किया जाए। इससे कई जनहानि और पशु हानि हो चुकी है। इस बात पर मध्य प्रदेश बिजली विभाग के भाजपा मंत्री ने कई सारे नियमों को बताते हुए कहा कि फ्री में हाईटेंशन बिजली की लाइन को नहीं हटाया जा सकता है। मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर ने मध्य प्रदेश विधानसभा मे ध्यान आकर्षण के माध्यम से अपनी बात रखी है कि सरकार द्वारा ऐसा नियम बनाया जाएं कि गरीब जनता के घरों के पास जो हाईटेंशन बिजली की लाइन निकली है उसे फ्री में हटाकर किसी अन्य जगह शिफ्ट किया जाए, जिससे गरीब जनता का भला हो सके।

सिंधिया उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित हुआ एनीमिया मुक्त भारत का प्रशिक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। गत दिवस सिंधिया उत्कृष्ट विद्यालय में सरकारी स्कूलों के नोडल शिक्षकों का अर्धदिवसीय एनीमिया मुक्त भारत एवं क्रमि मुक्ति दिवस का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण रजनीश सक्सेना संभागीय समन्वयक, दीपेश राजपूत अंतरा फाउंडेशन द्वारा दिया गया प्रशिक्षण में बताया गया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 के अनुसार प्रदेश में लगभग 72 प्रतिशत, 5 वर्ष तक की आयु के बच्चे, 58 प्रतिशत किशोरी बालिकाएं एवं 31 प्रतिशत किशोरावस्था वाले बालक एनीमिया से ग्रसित है। एनीमिया की व्यापकता को प्रभावी रूप से कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग तथा महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से एक बहुआयामी रणनीति का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान में 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को प्रत्येक मंगल एवं शुक्रवार को 1-1 एमएल आयरन सीरप तथा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक सभी बच्चों कों आयरन की गुलाबी गोली तथा कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के सभी बच्चों को आयरन की नीली गोली सप्ताह में एक बार प्रत्येक मंगलवार को खिलायी जाती है। प्रशिक्षण में बीएमओ पोरसा द्वारा बताया गया कि नोडल शिक्षक अपने स्कूलो में आयरन की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें। यदि स्कूल में आयरन की गोलिया उपलब्ध नहीं है तो आप आशा या स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर सकते हैं।

चम्बल भवन में आज विभिन्न विभागों की बैठक होगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। आयुक्त चम्बल संभाग संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में चम्बल भवन में 03 जुलाई, बुधवार को दोपहर 12 बजे से विभिन्न विभागों की संभाग स्तरीय बैठक आयोजित की जायेगी। जिनमें महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन, आदिम जाति, अनुसूचित जाति कल्याण, स्कूल शिक्षा, राज्य शिक्षा केन्द्र के शाला भवन के संबंध में बैठक ली जायेगी।

इसी प्रकार उसी दिन अपरान्ह 3 बजे से चम्बल भवन में ही लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश रोड़ डब्लपमेन्ट कॉर्पोरेशन, मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण, जल संसाधन, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अद्योसंरचना विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और जल निगम विभाग की समीक्षा बैठक होगी।

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में 60 वर्ष बाद मिलेगी 3 हजार रूपए पेंशन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। केन्द्र सरकार द्वारा असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम है, इस योजना के लिए पात्र होंगे। योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के श्रमिकों को प्रतिमाह 55 से 200 रूपये प्रीमियम के रूप मे जमा करना होगी।

भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा जमा की जाएगी, जिसमें 50 प्रतिशत प्रीमियम की राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी। श्रमिक की 60 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीमित व्यक्ति को 3 हजार प्रतिमाह रूपए पेंशन के रूप में प्राप्त होगी। योजना के संचालन के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत किया गया है।योजना के लिए इच्छुक श्रमिक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क) पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं। नामांकन के समय श्रमिक को आधार कार्ड एवं बैंक खाता नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा। प्रीमियम की प्रथम किश्त श्रमिक के आयु वर्ग के अनुसार 55 से 200 रूपये कॉमन सर्विस सेंटर में नगद जमा की जाएगी।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने राजस्व संबंधी शिकायतों का तेजी से निराकरण कराने के दिए निर्देश

कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में 114 लोगों की समस्यायें सुनीं गईं

कलेक्टर ने 14 आवेदन टीएल के मार्क किये

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में इस बार 114 लोगों की समस्यायें सुनीं गईं। उन आवेदनों में से 14 आवेदन ऐसे पाये गये, जिनका निराकरण टीएल बैठक में संभव था। कलेक्टर अंकित अस्थाना सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने जनसुनवाई में पहुँचे लोगों की एक-एक कर समस्यायें सुनीं। साथ ही उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

कलेक्टर श्री अस्थाना ने नामांतरण, सीमांकन व बटवारा सहित जमीन से संबंधित आवेदनों की विशेष रूप से सुनवाई की। साथ ही ऐसे आवेदनों को अपने संज्ञान में लिया है, जिनमें राजस्व प्रकरणों के निराकरण में देरी से संबंधित शिकायतों का उल्लेख था। उन्होंने जनसुनवाई में मौजूद सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप राजस्व प्रकरणों का निराकरण समयबद्ध कार्यक्रम के तहत करें। यदि निराकरण में अनावश्यक देरी हुई तो संबंधित पटवारी व राजस्व अधिकारी जवाबदेह होंगे।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में प्राप्त हुए 114 आवेदन प्राप्त हुये। शेष आवेदन सीधे ही निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर इन आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने कई आवेदनों को गंभीरता पूर्वक सुना और समक्ष में ही निराकरण भी कराये। जिसमें नामान्तरण, बटवारा, अतिक्रमण, भूमि विवाद, खाद्य, जल भराव जैसे आदि विभागों के आवेदन प्राप्त हुये।

जन-सुनवाई में अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद, संयुक्त कलेक्टर आरबी नाडिया, शुभम शर्मा, एसडीएम मुरैना बीएस कुशवाह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मेघा तिवारी, तहसीलदार श्रीमती वंदना यादव, नायब तहसीलदार सुश्री ज्योति लाक्षाकार सहित संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में पटवारी राजपाल यादव को किया निलंबित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 02 जुलाई मंगलवार को कलेक्टर अंकित अस्थाना कलेक्ट्रेट सभागृह में जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई के दौरान शिवनगर मुरैना निवासी श्रीमती कमला पत्नि रामरतन तिवारी ने आवेदन प्रस्तुत किया कि मुरैनागांव के सर्वे क्रमांक 1746,7.1744/1 को क्रय किया था। जिसका नामान्तरण तत्कालीन तहसीलदार से कराया गया। उक्त नामान्तरण को पटवारी ऑनलाइन दर्ज नहीं कर रहा है।

कलेक्टर ने आवेदन को संज्ञान में लिया और एसडीएम मुरैना को हल्का नंबर 9 मुरैनागांव के पटवारी राजपाल यादव को समक्ष में बुलाने के निर्देश दिये। पटवारी राजपाल यादव ने नामान्तरण को ऑनलाइन दर्ज करने की पुनः तहसीलदार से आदेश कराने की बात कही। कलेक्टर ने इस शासकीय कार्य में घोर लापरवाही को मानते हुये प्रथम दृष्टया पटवारी राजपाल यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में पटवारी तहसीलदार ग्रामीण मुरैना में पदस्थ रहेगा। इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता पाने की पात्रता रहेगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांक:- 02.07.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भ.क्र. 1182/35 नया वार्ड 41, प्लॉट क्र. सी-20, टी.आर. पुरम कॉलोनी मुरैना	श्रीमती शारदा अग्रवाल पत्नी मातादीन सर्राफ निवासी- पहाड़गढ़ रोड करखा कैलारस जिला मुरैना	नील गर्ग (नाबालिग) पुत्र सौरभ गर्ग नाबालिग सरपरस्त पिता स्वयं सौरभ गर्ग पुत्र रमेशचन्द गर्ग	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
2	भूमि/भवन वार्ड 45, सर्वे क्र. 944/2/2 एवं 945/1 का अंशभाग	किशन सिंह तोमर पुत्र शिवसिंह तोमर निवासी- कृषि रोड लक्ष्मण विहार कॉलोनी मुरैना	सियाराम पुत्र विजय सिंह, कमलकिशोर शिवहरे पुत्र बाबूलाल शिवहरे	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

नाम परिवर्तन सूचना

मैं मोनू यादव पुत्र श्री संतोषीलाल यादव उम्र 34 वर्ष निवासी- महाराजपुर रोड न्यू बिजली घर के पास रतन कॉलोनी मुरैना (म.प्र.) शपथपूर्वक सत्य कथन करता हूँ कि मैं भारतीय सेना की सिगनल कोर में सिपाही के पद पर पदस्थ हूँ। मेरी सेवा पुस्तिका में मेरे पुत्र शौर्य यादव के नाम की स्पेलिंग SHORYA YADAV अंकित है, जो कि गलत है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम शौर्य यादव SHORYA YADAV अंकित था, जो कि गलत था। अब हमने जन्म प्रमाण पत्र में सुधार करवा लिया है। अब मेरे पुत्र का नाम शौर्य यादव SHAURYA YADAV अंकित हो गया है, जो कि सत्य व सही है। मेरी सेवा पुस्तिका में मेरे पुत्र शौर्य यादव SHORYA YADAV को सुधारकर सही नाम शौर्य यादव SHAURYA YADAV किया जाए।

जिले में अब तक 117.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 02 जुलाई, 2024 तक 117.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 51.5 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 168.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना सैयद मुज्जफर अली ने बताया कि जिले में 01 जून से 02 जुलाई तक सर्वाधिक 170.4 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। पोरसा में 167, जौरा में 142, कैलारस में 97, सबलगढ़ में 83.5 और अम्बाह तहसील में सबसे कम 44 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई हैं। 02 जुलाई, मंगलवार को सर्वाधिक 6.4 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अनुविभाग मुरैना म.प्र.

प्र.क्र. 0073/अ.मा./2023-24/308 मुरैना, दिनांक- 25.06.2024

1. श्रीमती शकुन्तला पत्नी राकेश, 2. श्रीमती राधारानी पत्नी कोविद भूषण, 3. रोहित पुत्र राकेश राजौरिया, 4. राजेश
5. राजीव पुत्रगण द्वारिकाप्रसाद जाति ब्रा. निवासीगण- मुड़ियाखेड़ा तहसील व जिला मुरैना

--- अपीलांट

बनाम

1. बाबूलाल श्रीवास, 2. रमेशचन्द्र श्रीवास पुत्रगण भीखाराम जाति नाई निवासी- मुड़ियाखेड़ा, 3. नीरू जैन पत्नी राकेशचन्द जैन निवासी- खड़ियाहार, 4. नरेश सिंह पुत्र रामचरन सिंह जाति श्रीवास निवासी- अम्बाह रोड, 5. राकेश कुमार वर्मा पुत्र मुरारीलाल वर्मा जाति नाई निवासी- मुरैना नगर
6. विजेन्द्र सिंह राजपूत पुत्र यशवंत जाति लोधे निवासी- नगर मुरैना, 7. लोकेन्द्र, 8. सतेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री सियाराम सिंह जाति श्रीवास निवासी- अम्बाह जिला मुरैना, 9. भागचन्द्र जैन पुत्र नत्थीलाल जैन निवासी- नगर मुरैना, 10. निर्मल कुमार जैन पुत्र रामरतन जैन निवासी- अम्बाह जिला मुरैना,
11. विनीता जैन पत्नी सुनील जैन जाति वैश्य निवासी- मुरैना,
12. राकेश पाराशर पुत्र रामखिलाड़ी पाराशर जाति ब्रा. निवासी मुरैना, 13. सुधा जैन पत्नी जितेन्द्र कुमार जाति वैश्य निवासी धौलपुर राज., 14. सुनील जैन पुत्र भागचन्द्र जैन जाति वैश्य निवासी- मुरैना, 15. शुभम जैन पुत्र जितेन्द्र कुमार जैन जाति वैश्य निवासी- धौलपुर राज., 16. नरेश कुमार जैन पुत्र गोपीचन्द्र जैन जाति वैश्य निवासी- मुरैना

--- रेस्पो.

//उपस्थिति हेतु सूचना पत्र//

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती शकुन्तला पत्नी राकेश, श्रीमती राधारानी पत्नी कोविद भूषण, रोहित पुत्र राकेश राजौरिया, राजेश, राजीव पुत्रगण द्वारिकाप्रसाद जाति ब्रा. निवासी- मुड़ियाखेड़ा तहसील व जिला मुरैना के द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 के अन्तर्गत आवेदन पत्र ग्राम मुड़ियाखेड़ा तहसील मुरैना नगर जिला मुरैना के प्रकरण क्रमांक 0003/2022-23/अ-03 में पारित आदेश दिनांक 24.04.2023 के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की गई।

अतः वादित भूमि से संबंध रखने वाले अनावेदकगण को सूचित किया जाता है कि आप उपरोक्त प्रकरण में दिनांक- 12.07.2024 को सुनवाई हेतु नियत की गई है। नियत दिनांक पर न्यायालय में आप स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पक्ष समर्थन कर सकते हैं। आपकी अनुपस्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक- 25.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी

मुरैना के समाचार पृष्ठ 6 पर देखें।

कार्यालय नगरपालिक निगम, मुरैना (म.प्र.)

Office of the Municipal Corporation, Morena (M.P.)

Address - Town Hall Parishar Jiwaji Ganj Morena (M.P.)- 476001
Email :- commmorena@mpurban.gov.in
Phone No. : 07532-226020

क्रमांक/वि.पं./2024/3056 मुरैना, दिनांक - 01/07/2024

इश्तहार सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक (वर) विनयप्रताप सिंह सिकरवार पुत्र संतोष सिंह सिकरवार निवासी- 38/211 न्यू गाँधी कॉलोनी तिवारी गली मुरैना द्वारा विवाह पंजीयन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। (वधु) राधा पुत्री सतेन्द्र सिंह निवासी- ग्राम खोयला पोरसा जोटई मुरैना का विवाह दिनांक- 23.04.2024 स्थान- शहनाई रिसोर्ट, जौरा रोड मुरैना (म.प्र.) पर हिन्दू रीति-रिवाज से सम्पन्न विवाह के आधार पर इस निगम में नियमानुसार विवाह का पंजीयन किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में अगर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति निगम कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी, और प्रस्तुत आवेदन के आधार पर विवाह पंजीयन कर दिया जावेगा।

रजिस्ट्रार
विवाह पंजीयन
नगरपालिक निगम, मुरैना

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र)

कमांक-क्यू/3/मा.रा./खनिज/2024/540 मुरैना,दिनांक-24/06/2024

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आकाश शर्मा पुत्र श्री देवेन्द्र शर्मा निवासी-ग्राम साधु का पुरा, बरेह तहसील अम्बाह जिला मुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र दिनांक- 11.06.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक-28/07/24 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आंमत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल **http://ekhanij.mp.gov.in** प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	अम्बाह	दोहरा	39 40	1.000 हे0	निजी भूमि	मिट्टी उत्खनन कर चिमनी भट्टा से ईट निर्माण(मिट्टी उत्खनिपट्टा)	

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों सें विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी । विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे । उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

G12796/24

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला मुरैना (म.प्र.)

फैक्स न. 07532-227748 दूरभाष न. 232200, E-MAIL sp_morena@mppolice.gov.in

क्रमांक/पुअ/मुरैना/रनि/स्टोर/891/24 दिनांक 26/06/2024

-: ई-निविदा विज्ञप्ति सूचना :-

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिला बल मांग संख्या-9999-9545-विभागीय संपत्तियों का संधरण-33-001-स्थाई संपत्ति का अनुरक्षण मद में निम्न तालिका अनुसार आवासीय एवं प्रशासकीय भवनों हेतु आवंटित राशि से निम्न भवनों में मरम्मत कार्य करवाये जाने हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी म.प्र. पुलिस की वेवसाईट- www.mppolice.gov.in एवं www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

क्रं.	कार्य का विवरण	निविदा शुल्क	अनुमानित लागत (रूपय में)	धरोहर राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि (कार्यादेश जारी दिनांक से समस्त कार्यो हेतु)
01	रनि कार्यालय भवन	2,000/-	2,20,430/-	33,000/-	30 दिवस (वर्षाकाल सहित)
	एमटी शाखा भवन		1,04,262/-		
	एमटी वर्कशॉप		74,169/-		
	एडी रूम		1,50,750/-		
	आर्म्स शाखा भवन		3,61,800/-		
	सुलभ कॉम्पलेक्स		72,464/-		
	पुराना रोजनामचा कार्या. भवन		16,080/-		
	आईजी कार्यालय भवन मुरैना		1,00,000/-		
02	आवास क्रं. 01/01	2,000/-	25,000/-	24,000/-	30 दिवस (वर्षाकाल सहित)
	आवास क्रं. 01/03		25,000/-		
	आवास क्रं. 01/05		25,000/-		
	आवास क्रं. 01/06		25,000/-		
	आवास क्रं. 02/10		25,000/-		
	आवास क्रं. 02/12		25,000/-		
	आवास क्रं. 02/16		25,000/-		
	आवास क्रं. 07/40		25,000/-		
	आवास क्रं. 08/41		25,000/-		
	आवास क्रं. 08/42		25,000/-		
	आवास क्रं. 08/44		25,000/-		
	आवास क्रं. 10/55		25,000/-		
	आवास क्रं. 10/57		25,000/-		
	आवास क्रं. 10/60		25,000/-		
	आवास क्रं. 11/62		25,000/-		
	आवास क्रं. 11/63		25,000/-		
	आवास क्रं. 11/64		25,000/-		
	आवास क्रं. 11/65		25,000/-		
	आवास क्रं. 11/72		25,000/-		
	आवास क्रं. 11/79		25,000/-		
	आवास क्रं. 12/82		25,000/-		
	आवास क्रं. 12/86		25,000/-		
	आवास क्रं. 13/90		25,000/-		
	आवास क्रं. 13/93		25,000/-		
	आवास क्रं. 13/95		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-09		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-10		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-11		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-21		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-30		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-33		25,000/-		
	आवास क्रं. आईपी-75		25,000/-		
	कुल कार्य- 02		कुल अनुमानित लागत 18,99,955/-		

समय सारणी :-

क्र.	कार्य का विवरण	समय सारणी
01	ऑनलाईन निविदा प्रकाशन दिनांक एवं समय	29.06.2024 समय 10:30 बजे से
02	निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय का प्रारंभ दिनांक एवं समय	29.06.2024 समय 10:30 बजे से
03	निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय का अंतिम दिनांक एवं समय	19.07.2024 समय 17:30 बजे तक
04	ऑनलाईन एवं भौतिक (दोनों) रूप से निविदा जमा करने का प्रारंभ दिनांक एवं समय	29.06.2024 समय 10:30 बजे से
05	ऑनलाईन एवं भौतिक (दोनों) रूप से निविदा जमा करने का अंतिम दिनांक एवं समय	19.07.2024 समय 17:30 बजे तक
06	ऑनलाईन एवं भौतिक (दोनों) रूप से निविदा खोलने का दिनांक एवं समय	20.07.2024 समय 17:30 बजे से

ई-निविदा की सामान्य शर्तें-

1. ई-निविदा की सम्पूर्ण प्रकिया के दौरान म.प्र. शासन शूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग मंत्रालयए बल्लभ भवन भोपाल के परिपत्र कमांक एफ/9-20/2021/अ-73 भोपाल, दिनांक 13.01.2023 म.प्र. भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संसोधित 2022) के समस्त नियमों का पालन करना सफल निविदाकार के लिए अनिवार्य होगा।
2. उपरोक्त तालिका में दर्शित सामान्य मरम्मत कार्यो को म.प्र. पुलिस हाउसिंग कार्पो. द्वारा तैयार किये गये प्राक्कलन अनुसार ही किया जाना होगा, जिसमें दर्शित कार्य की राशि में समस्त कर समाहित हैं, जिसके प्राक्कलन निविदा प्रपत्र में संलग्न है।
3. ई-निविदा जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि तक ऑनलाईन वेवसाईट http://www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा। ऑनलाईन अपलोड की गई निविदाकारों की ई-निविदा को ही निविदा प्रक्रिया में शामिल किया जावेगा।
4. निविदाकार द्वारा ऑनलाईन निविदा के दौरान प्रस्तुत किए गए समस्त दस्तावेजों की स्वसत्यापित प्रति भौतिक रूप से निविदा की अंतिम निधारित समय एवं दिनांक तक कार्यालय रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन मुरैना में जमा कराना अनिवार्य होगा।
5. ऑनलाईन वित्तीय निविदा अपलोड करते समय सम्पूर्ण कार्य की कीमत समस्त करों सहित भरी जावे।
6. निविदा खोलते समय निविदाकार स्वयं या प्रतिनिध के माध्यम से उपस्थित रह सकते हैं, निविदा खोलने के दिनांक में यदि परिवर्तन किया जाता है तो इसकी सूचना निविदाकर्ता को ऑनलाईन दी जावेगी।
7. निविदा की दरें व्यवसायिक निविदा खोलने की दिनांक से 03 माह तक वैध होगी।
8. पुलिस अधीक्षक मुरैना को किसी भी ई-निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा, इस संबंध में कोई पत्राचार स्वीकार नहीं किया जावेगा।
9. सफल निविदाकर्ता को 03 दिवस के अन्दर म.प्र. से क्रय किये गये रूपये 1000/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर विधिवत रूप से "अनुबंध पत्र" तैयार कराए जाने हेतु कार्यालय रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन मुरैना में प्रस्तुत करना होगा। जिसमें कार्यालय से उपलब्ध कराए गए प्रोफार्मानुसार अनुबंध पत्र नोटरी कराकर निविदाकार के द्वारा तैयार कराया जाना होगा।
10. निविदाकारों को निम्नानुसार दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करना होगा-
    1. विगत 02 वर्षों का इंकम टैक्स रिर्टन
    2. पेन नंबर की छायाप्रति
    3. फर्म के पीडब्ल्यूडी रजिस्ट्रेशन की प्रति
    4. जीएसटी नंबर प्रमाण-पत्र की प्रति।
    5. निविदाकारों को किसी भी शासकीय विभाग में समान प्रकृति के कार्यो का उपरोक्त तालिका में दर्शित कुल अनुतानित लागत की 50 प्रतिशत राशि से विगत 05 वित्तीय वर्षो में कार्य कराए जाने का अनुभव होना अनिवार्य है।
11. फर्म/ठेकेदारों के लिए प्रचलित कानूनों तथा भविष्य निधि संबंधी प्रावधानों का पालन करने का दायित्व होगा।
12. निविदा में सफल रहे निविदाकार को कुल कार्यादेश राशि का 03 प्रतिशत सुरक्षा निधि की एफडीआर पुलिस अधीक्षक मुरैना के नाम से 01 वर्ष के लिए जमा कराना अनिवार्य है। यह राशि निविदा/क्रय आदेशो व शर्तो के पालन न करने/होने की स्थिति में विभाग द्वारा राजसात (नगदीकरण) कर ली जावेगी।
13. निविदाकार फर्म को प्रमाण पत्र लिखकर देना होगा कि निविदाकार का किसी भी विभाग में काली सूची में नाम दर्ज नहीं हैं, उपरोक्त फर्म का ब्लैक लिस्ट ना होने संबंधी नोटरी द्वारा सत्यापित प्रमाण पत्र।
14. मांगे जाने पर मूल दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
15. निविदा में निम्नानुसार बिड शामिल रहेगी-
    1. तकनीकी निविदा (बिड)- प्राईज पार्ट को छोडकर अन्य सभी दस्तावेज, शर्ते, बिड डॉक्यूमेंट इसी भाग में रहेगी। (ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रस्तुत करना होगा।)
    2. व्यवसायिक निविदा (बिड)- इस भाग में आईटम की मूल कीमत समस्त टैक्स/जीएसटी दर सहित व कुल मूल्य दर्शायी जावें। (केवल ऑनलाईन प्रस्तुत करना होगा।)
16. ईएमडी राशि ऑनलाईन जमा न करने पर निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी। निर्धारित सुरक्षा निधि केवल बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. के रूप में ही जमा की जावेगी। बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर. पुलिस अधीक्षक मुरैना के नाम देय होगा, जो राष्ट्रीयकृत बैंक का ही स्वीकार किया जावेगा।
17. कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की (प्राकृतिक/मानवनिर्मित/स्वयं या अन्य त्रुटि के कारण) दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी निविदाकार फर्म की होगी।
18. विभाग की पर्यवेक्षण समिति के, फर्म द्वारा किये गये कार्य की गुणवत्ता से संतुष्ट होने के उपरान्त फर्म द्वारा देयक 03 प्रतियों में पुलिस अधीक्षक मुरैना के नाम से प्रस्तुत किये जावेंगे, जिसमें फर्म का जी.एस.टी. आई.नम्बर एवं जी.एस.टी. की दरें व राशि पृथक-पृथक दर्शाते हुऐ प्रस्तुत किये जावेंगे, तथा देयकों पर बैंक खाता क्रमांक, बैंक का नाम, आई.एफ.एस.सी कोड अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जावें।
19. निर्धारित समयावधि में किसी भी कारण से कार्य पूर्ण न होने की दशा में किसी भी निर्माण विभाग में प्रचलित दरों के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि (जो भी अधिक हो) अधिरोपित की जावेगी।
20. निविदाकार प्रस्तावित कार्य के स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत ही निविदा की दर प्रस्तुत करें।
21. विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का भाड़ा/बिजली, पानी आदि की व्यवस्था का वहन नहीं किया जावेगा।
22. यदि अपरिहार्य कारणों से निविदा खोलने के दिवस शासकीय अवकाश होता हैं तो अगले कार्य दिवस में कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।
23. उपरोक्त समस्त शर्तो में संशय/विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस अधीक्षक मुरैना का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।

अति. पुलिस अधीक्षक
(अध्यक्ष निविदा समिति)
जिला-मुरैना (म.प्र.)

G12774/24

बहन-बहनोई ने बेटे बेटी के साथ मिलकर की व्यापारी की हत्या

ग्वालियर। एक गैस बैल्डिंग और फेब्रिकेशन व्यापारी की उसके ही बहन-बहनोई और भांजे-भांजी ने हत्या कर दी। व्यापारी के बहन-भांजी ने हाथ पकड़े, भांजे ने सीने पर बैठकर चाकू मारे। बहनोई ने भी चाकू से कई वार किए। जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या की वारदात बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के इस्लामपुरा में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात 2.30 बजे की है। वारदात का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की तो पुलिस को पता चला कि आरोपियों का असल विवाद व्यापारी अकरम खान उर्फकल्लू (42) के बड़े भाई की बेटी और दामाद निसार खान से था। अकरम इसी झगड़े को सुलझाने के लिए बहन के घर पहुंचा था। पुलिस ने हत्या के चारों आरोपियों को मंगलवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के इस्लामपुरा

में अकरम और उसके बड़े भाई का परिवार रहता है, वहीं पास में ही अकरम की बहन नगदा उर्फ नग्गा बेगम (38) और बहनोई जहांगीर खान (40) का मकान है। जहांगीर के परिवार की एक महिला ने 3 साल पहले अकरम के दामाद निसार पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। दोनों पक्षों में इसी बात पर रंजिश चली आ रही थी और सोमवार रात दोनों पक्षों में मारपीट हुई। नग्गा बेगम शिकायत लेकर थाने पहुंच गई। जिसके बाद रात 1 बजे अकरम बहन नग्गा के घर बातचीत करने गया था और बहन से कहा कि घर का झगड़ा है, थाने जाने की क्या जरूरत थी। बातचीत से मामले को सुलझा सकते थे। इसी को लकर उनमे कहासुनी होने लगी और फिर नौबत मारपीट तक आ गई और नग्गा, जहांगीर और उनकी बेटी सलोनी (22), बेटे सुहैल (19) ने मिलकर अकरम की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की तो पुलिस को साहिबा ने बताया कि शोर सुनकर हम लोग जब बुआ के घर पहुंचे तो आरोपी चाचा अकरम पर हमला कर रहे थे। लहुलूहान हालत में हम चाचा अकरम को बहोड़ापुर थाने, फिर जय आरोग्य अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अकरम के परिवार में पत्नी, बेटा इकरार (17 साल), बेटियां गुलिस्तां (15) और सुहाना (12) हैं। इस मामले में बहोड़ापुर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर का कहना है कि अकरम की हत्या करने वाले चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

राहुल गांधी ने हिन्दू समाज को कभी हिसंक नही कहा है, सच बात से भाजपा बौखला रही है: सतीश सिकरवार

ग्वालियर। कांग्रेस विधायक डा. सतीश सिकरवार ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिन्दू समाज को कभी भी हिंसक नही कहा है। यह तो भाजपा कहानी गढ़ रही है। उन्होंने तो भाजपा का असली रूप और सच जनता के सामने उजागर किया है। राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा हिन्दू समाज को हिसंक कर रही है। सच कड़वा होता है, इससे ही भाजपा में बौखलाहट है। राहुल गांधी का सदन मे बार-बार माइक बंद कर देने से उनकी आवाज को भाजपा दवा नहीं सकती है। करोडों देशवासी राहुल गांधी के साथ है।

कांग्रेस विधायक डा. सतीश सिकरवार ने कहा कि लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी किसानों, नौजवानों, आदिवासियों, दलित-पिछडे वर्ग की बात उठाते है, तो भाजपा के पेट मे दर्द होने लगता है। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी का बार-बार सदन में माइक बंद करना लोकतंत्र की हत्या है और इससे उनकी आवाज को बंद नही किया जा सकता है। राहुल गांधी ने यही तो कहा है कि हिन्दू हिंसा नही करता है, इससे भाजपा क्यों छटपटा रही है। मणिपुर में क्या हो रहा है, क्यों भाजपा नहीं बोलती है। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाने से लेकर देश के चहुंमुखी विकास के लिए काम किया है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अहिंसा का रास्ता अपनाया है, कभी राजनीति में हिंसा, राग द्वेष का सहारा नहीं लिया है। महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, बाबू जगजीवन राम ने देश की तरक्की और आजादी के लिए काम किया। भाजपा ने देश को स्वंतत्र कराने के लिए कुछ नहीं किया है।

रेंहट गाँव की पूरी जमीन का सीमांकन कर किया जायेगा स्वामित्व का निर्धारण: कलेक्टर

- कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में 218 लोगों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर। जमीन के स्वामित्व को लेकर आ रही रेंहट ग्राम के आदिवासी परिवारों की समस्या का स्थायी समाधान होगा। रेंहट मौजे की पूरी जमीन का सीमांकन कर यह निर्धारित किया जायेगा कि यहाँ के सर्वे नम्बरों के किस भाग का कौन दृ कौन स्वामी है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने घाटीगाँव के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को रेंहट गाँव की पूरी खेती योग्य जमीन का सीमांकन करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में पहुँची ग्राम रेंहट के आदिवासी परिवारों की महिलाओं की समस्या सुनने के बाद कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इस आशय के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार 218 लोगों की समस्यायें सुनी गईं।

मंगलवार को हुई कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचकर जिले के दूरस्थ ग्राम रेंहट से श्रीमती बैजन्ती, श्रीमती विमला, श्रीमती राजाबेटी व श्रीमती नथिया सहित रेंहट गाँव के आदिवासी परिवारों की अन्य महिलाओं ने कलेक्टर श्रीमती चौहान को अपनी व्यथा सुनाई। इन महिलाओं का कहना था कि उन्हें पट्टे पर लगभग 60 वर्ष पूर्व मिली जमीन पर गाँव के कुछ लोगों द्वारा खेती करने से रोका जा रहा है। सभी महिलाओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद कलेक्टर ने फोन लगाकर घाटीगाँव के एसडीएम से बात की। तब पता चला कि रेंहट गाँव में बहुत से भूमि स्वामी अपनी वास्तविक जमीन पर काबिज होने की बजाय एक दृ दूसरे की जमीन पर खेती कर रहे हैं। इसलिए आए दिन विवाद होता रहता है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने वस्तुस्थिति का पता लगने के बाद एसडीएम को निर्देश दिए कि रेंहट गाँव की पूरी जमीन का सही-सही सीमांकन कराकर लोगों को उनके स्वामित्व वाली जमीन का कब्जा दिलाएँ। उन्होंने यह काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जोर देकर कहा कि गाँव के आदिवासी परिवारों के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में रानी अवंतीबाई खालसा कॉलेज के विद्यार्थी रहे आकाश वंशकार ने महाविद्यालय द्वारा डीएलएड की अंकसूची न दिए जाने की शिकायत की। वंशकार का कहना था कि महाविद्यालय द्वारा अतिरिक्त फीस की मांग भी की जा रही है, जबकि उसके द्वारा पूर्व में ही पूरी फीस जमा की जा चुकी है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिला शिक्षा अधिकारी को इस पूरे प्रकरण की जांच कर संबंधित विद्यार्थी को अंकसूची दिलाने के निर्देश दिए।

इसी तरह शहर के वार्ड-62 की एक बस्ती से आए लोगों ने बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायत की। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने विद्युत वितरण कंपनी एवं नगर निगम के अधिकारियों को इस समस्या का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य आवेदकों की जमीन, बच्चों की पढ़ाई व इलाज इत्यादि से संबंधित समस्याओं का समाधान भी किया गया।

कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में इस बार 218 आवेदक अपनी समस्यायें लेकर पहुँचे थे। इनमें से 108 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही शेष 110 आवेदन आवश्यक टीम अंकित कर सीधे ही संबंधित विभागो के जिला स्तरीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिए सौंपे गए। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व श्री टी एन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक-एक कर सभी फरियादियों की समस्यायें सुनीं। साथ ही उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

जनसुनवाई में आने वाली समस्याओं का अधिकारी समयसीमा में निराकरण करें: निगमायुक्त

ग्वालियर। जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदक को सुनकर उनका नियमानुसार समय सीमा में निराकरण करायें। यह निर्देश निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान आम नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 52 लोगों की समस्याओं को सुना गया।

सिटी सेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 59 मधुवन नगर निवासी रोहित साहू ने अवगत कराया कि मधुवन नगर में सीवर और नाले पर कब्जा कर चबूतरा बना लिया गया है, जिस कारण बरसात में क्षेत्री के सभी घरों में जलभराव हो जाता है। उन्होंने अतिक्रमण हटाये जाने के संबंध में, वार्ड 60 अल्फा नगर न्यू आरटीओ ऑफिस के पीछे हुरावली निवासी दिव्यांग खिलाडी प्रमोद धनेले ने आवेदन देते हुए अवगत कराया कि

मोहर सिंह ने गली में अवैध अतिक्रमण कर चबूतरा बना लिया है तथा बीच रोड पर बोरिंग करा ली है जिस कारण आमजन को निकलने में काफी परेशानी आ रही है। उन्होंने अतिक्रमण को हटाये जाने के लिए आवेदन दिया। वार्ड 37 लक्ष्मीगंज निवासी मनीष ने आवेदन देते हुए बताया कि लक्ष्मीगंज महाराष्ट्रीयन मुक्तिधाम के बगल में स्थित शासकीय रास्ते की भूमि पर अवैध निर्माण करने पर अतिक्रमण को हटाये जाने के संबंध में अपना आवेदन निगम आयुक्त को दिया। निगमायुक्त ने सुनवाई करते हुए कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बाकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई आदि से संबंधित 52 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश निगमायुक्त ने दिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त विजय राज, मुनीष सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त डॉ प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर लगाकर की रोटरी क्लब मुरैना ने सत्र की शुरुआत

जिला चिकित्सालय में किया 10 यूनिट रक्तदान एवं चिकित्सकों और चार्टर्ड अकाउंटेंटस का किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोटरी क्लब मुरैना ने नवीन सत्र की की शुरुआत सेवा के प्रकल्प के प्रथम दिवस पर पैन डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाकर की। इसमें रोटरी क्लब मुरैना द्वारा 10 यूनिट रक्तदान किया गया। रोटेरियन साथियों ने अपने बच्चों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अपने बच्चों से भी पहली बार रक्तदान कराया, जिसमें कौशल गोयल, जलेश सरिन, मनीष कँसाना, निखिल सिंघल, चंचल मंगल, चार्टर्ड अकाउंटेंट राहुल गुप्ता, विनोद बंसल, रोमेश गुप्ता, अर्पित बंसल एवं विशाल गुप्ता ने रक्तदान किया। उसके बाद शहर के 15 चिकित्सकों एवं चार चार्टर्ड अकाउंटेंटस उनके प्रतिष्ठान पर जाकर उनका सम्मान किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। चिकित्सकों में डॉ. के. के गुप्ता, डॉ. राकेश माहेश्वरी, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. संजीव बाँदील, डॉ. मीरा बांदिल, डॉ. राहुल गुप्ता, डॉ. अजय गोयल, डॉ. आदित्य पंजाबी, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. देव गर्ग, डॉ. संजय राजपूत, डॉ. योगेंद्र यादव, डॉ. जतिन गर्ग, डॉ. रामप्रकाश शर्मा, डॉ. एसके गुप्ता आदि प्रमुख थे। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में प्रकाश अग्रवाल, श्याम गोयल, राहुल गुप्ता, कपिल गुप्ता, अनूप मंगल प्रमुख थे। इस अवसर पर क्लब से सहायक प्रांतपाल दीपक मोदी, अध्यक्ष चैतन्य कुलश्रेष्ठ, सचिव मनीष कँसाना, कोषाध्यक्ष अंशुल गोयल, राज कुमार गुप्ता, शिव कुमार गर्ग, निखिल सिंघल, कमल गोयल, तरुण शर्मा, प्रकाश अग्रवाल, एसके त्रिपाठी, अतुल माहेश्वरी, रवि गुप्ता, प्रमोद कुलश्रेष्ठ, कपिल गुप्ता, लव सिंह तोमर, डॉ. निखिल जैन आदि उपस्थित हुए।

सीए दिवस पर लॉयंस क्लब समन्वय ने किया चिकित्सकों व सीए का सम्मान

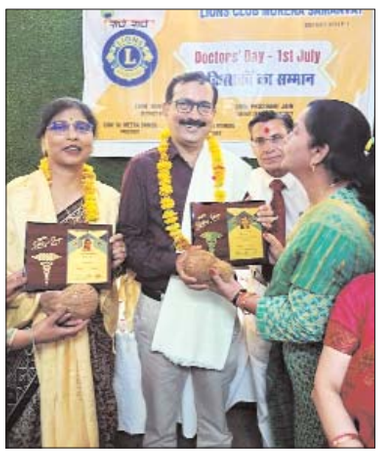

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 01 जुलाई सोमवार को डॉ. एवं सीए दिवस के अवसर पर लॉयन्स क्लब समन्वय द्वारा मुरैना के वरिष्ठ डॉक्टरों तथा सीए के सम्मान का आयोजन बड़े भव्यता के साथ ही किचन रेस्टोरेंट में किया, जिसमें सभी डॉक्टरों का सम्मान शॉल, श्रीफल तथा मोमेंटो के द्वारा किया गया। उपस्थित डॉ. अशोक गुप्ता शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. संजीव बांदिल, डॉ. बी.एल. राजपूत हड्डी के जोड़ विशेषज्ञ डॉक्टर, राघव सिंघल, डॉ. एम.एल. सिंघल, डॉ.विवेक राठी फिजीशियन, डॉ.सुरेश गुप्ता रेडियोलॉजिस्ट, डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. वैभव बांदिल कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. रवि गोयल, डॉ.अदित्य पंजाबी, डॉ. हेमा सिंघल, डॉ. रितु राठी, डॉ. मीरा बांदिल, डॉ. हेमा सिंघल स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं सीए कपिल गुप्ता का सम्मान किया गया। जिसमें अध्यक्ष डॉ. मीरा बांदिल, चार्टर प्रेसिडेंट मीना गुप्ता, आरसी रितु राठी, Reg sec. शालू गोयल, सेक्रेटरी सपना मांडिल, कोषाध्यक्ष सुनीता बांदिल, मोनिका कंसाना, पूनम गांगिल, नीलम, प्रीति मांडिल, रमा मांडिल, साधना गुप्ता, वीना गुप्ता, अनिता किंगरानी, शिवानी गुप्ता, कृष्णा सोनी, कल्पना चांदिल, निशा गुप्ता, दीप्ति गुप्ता, इंदिरा सिंघल, कमलेश सिंघल, अनीता मित्तल, रीता मित्तल, रेखा गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सिहोनिया पुलिस ने पकड़े 4 जुआरी, नगदी बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में जुआरियों, सट्टोरियों, अवैध हथियार तस्करों, अवैध शराब-मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री, ईनामी फरारी बदमाशों एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को सट्टे के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं विजय सिंह भदौरिया, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय जिला मुरैना के कुशल मार्गदर्शन में उनि धर्मेन्द्र सिंह गौर थाना प्रभारी सिहौनिया को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि जनकिया पुरा मोड पर बने एक घर में कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुऐ थाना प्रभारी सिहोनियां द्वारा मय हमराह फोर्स के साथ मुखविर द्वारा बताये स्थान जनकिया पुरा मोड पर पहुँचकर देखा तो कुछ लोग मोड़ के पास बने घर की तिवरिया में गुट बनाकर ताश के पत्तो से हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे, जिनमें से 04 आरोपियों को हमराही फोर्स की मदद से घेरा बन्दी कर मौके से पकड़ा एवं आरोपियों की तलाशी उपरान्त उक्त चारो आरोपियों के कब्जे से कुल 10,070/- रुपये नगद तथा 02 मोटर साईकल कीमती करीबन 1,00,000/- हजार रुपये एवं एक 52 पत्तों की ताश की गड्डी कुल मशरूका कीमती करीबन 1,10,070/- रूपये का विधिवत जप्त किया गया तथा बाद थाना वापसी पर आरोपियो को विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

रेस्टॉरेंट पर फायरिंग करने वाला तमंचे के साथ गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कोतवाली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत गोपीनाथ की पुलिया क्षेत्र में पटी गली के पास एक रेस्टॉरेंट पर फायरिंग करने वाले बदमाश कान्हा उर्फ विवेक डण्डौतिया को कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को दबोच लिया। उसके पास से वारदात में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा और जिंदा राउण्ड जब्त किए है। पुलिस ने बताया कि बदमाश कान्हा ने विगत 20 जून को पटी गली के पास डोसा एक्सप्रेस नामक रेस्टॉरेंट के बाहर तमंचे से हवाई फायरिंग की थी। घटना के बाद से ही कान्हा फरार चल रहा था।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।